दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-26 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) सोमवार 02 मार्च 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

खामेनेई की मौत की पुष्टि के बाद बोले ट्रंप- ईरानी सैनिक सरेंडर कर दें नहीं मौत ही मिलेगी

वॉशिंगटन,(ए.)। मध्य पूर्व में जारी भीषण युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक विस्तृत बयान जारी करते हुए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। ट्रंप ने अपने संदेश में खामेनेई को इतिहास के सबसे क्रूर व्यक्तियों में से एक करार देते हुए कहा कि इजरायल और अमेरिका के एक बेहद सटीक और आधुनिक खुफिया ऑपरेशन ने ईरानी नेतृत्व को नेस्तनाबूद कर दिया है। राष्ट्रपति के अनुसार, यह हमला इतना घातक और सुनियोजित था कि खामेनेई और उनके साथ मौजूद अन्य शीर्ष नेता खुद को बचाने में पूरी तरह विफल रहे। ट्रंप ने इसे न केवल ईरान के लोगों के लिए, बल्कि उन सभी वैश्विक नागरिकों के लिए न्याय बताया है जिन्हें खामेनेई के शासन ने वर्षों तक प्रताड़ित किया था।इस सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में भारी खलबली मचने की खबरें हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी), नियमित सेना और पुलिस बल के कई सदस्य अब युद्ध जारी रखने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बताया कि ईरानी सुरक्षा बलों के कई वरिष्ठ अधिकारी और सैनिक अब अपनी जान बचाने के लिए अमेरिका से सुरक्षा और माफी की गुहार लगा रहे हैं। ट्रंप ने उन्हें सीधा अल्टीमेटम देते हुए कहा कि जो सैनिक अभी सरेंडर करेंगे, उन्हें माफी मिल सकती है, लेकिन बाद में उन्हें केवल मौत का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने ईरानी सैनिकों से अपील की कि वे देश के देशभक्त नागरिकों के साथ मिल जाएं ताकि ईरान को फिर से एक महान राष्ट्र के रूप में खड़ा किया जा सके।

ईरान को मिला नया कमांडर इन चीफ, ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी ने संभाली कमान

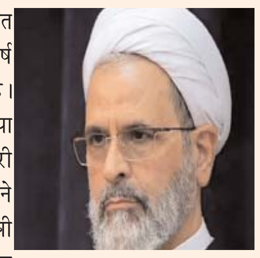

तेहरान(ए.)।इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने ऑपरेशन रोअरिंग लॉयन के तहत ईरान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन में जनरल मोहम्मद पाकपुर समेत इजरायल के कई शीर्ष नेताओं को निशाना बनाया है। इस बीच ईरान को इसका नया कमांडर-इन-चीफ मिल गया है। ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी को नया कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का नया कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया है। आईआरजीसी ने रविवार को घोषणा की कि अनुभवी सैन्य अधिकारी अहमद वहीदी पहले रक्षा और गृह मंत्री थे। अपनी औपचारिक नियुक्ति से पहले वहीदी छह महीने तक अंतरिम प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे।हालांकि, ईरानी अधिकारियों की तरफ से अब तक इस नियुक्ति को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन यह बताया गया है कि यह फैसला सीनियर मिलिट्री और पॉलिटिकल लीडर्स पर हाल ही में हुए हमलों के बाद देश के कमांड स्ट्रक्चर में बड़ी गड़बड़ी के बीच आया है।

भारत टी-20 वर्ल्डकप में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, सेमीफाइनल में पहुंचा

- संजू के नाबाद 97 रन

चेन्नई (ए.)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब टीम 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराकर अंतिम-4 का टिकट पक्का किया। संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा नाबाद 97 रन बनाए।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए।

रोस्टन चेज (40) और जेसन होल्डर (नाबाद 37) ने अहम योगदान दिया, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट झटके।

196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत डगमगाई। अभिषेक शर्मा और ईशान किशन 10-10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तिलक वर्मा ने 15 गेंदों पर 27 रन बनाए, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंदों में 18 रन जोड़े। लेकिन, संजू सैमसन एक छोर से टिके रहे। उन्होंने 50 बॉल पर नाबाद 97 रनों की पारी खेली। इस पारी में 4 छक्के और 12 चौके लगाए।

दुबई में फंसे जोधपुर के 120 श्रद्धालु, सुरक्षा और वापसी की मांग तेज

जोधपुर (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में जारी मिसाइल हमलों के बीच जोधपुर के 120 श्रद्धालु दुबई में फंसे होने की खबर से परिजनों में चिंता बढ़ गई है। यह जत्था सूरसागर बड़ा रामद्वारा से 23 फरवरी को सत्संग और भ्रमण के लिए दुबई रवाना हुआ था। श्रद्धालु रामप्रसाद महाराज के सानिध्य में यात्रा पर गए थे। जानकारी के अनुसार, मंडोर और सूरसागर क्षेत्र के माली समाज के करीब 100 लोग इस जत्थे में शामिल हैं। श्रद्धालु आबूधाबी से वापसी के दौरान थे, तभी क्षेत्र में हमलों और आपातकाल की सूचना मिली। राम मंदिर दर्शन के समय हमले की खबर के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। निर्धारित उड़ान रद्द कर दी गई और श्रद्धालुओं को वापस दुबई भेज दिया गया। वर्तमान में सभी श्रद्धालु मीना बाजार स्थित एक होटल में अस्थायी रूप से ठहरे हुए हैं।

इंडिगो ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी, मिडिल ईस्ट एयरस्पेस का इस्तेमाल करने वाली फ्लाइट्स पर रोक बढ़ाई

नई दिल्ली(आरएनएस)। इंडिगो एयरलाइंस ने रविवार को यात्रियों के लिए नई ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइन ने कहा कि वह मिडिल ईस्ट और आसपास के क्षेत्रों में चल रही घटनाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है। इस समय परिस्थितियां अनिश्चित लग सकती हैं, लेकिन इंडिगो ने आश्वस्त किया है कि हर निर्णय बड़ी सावधानी और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया जा रहा है। इस मौजूदा स्थिति को देखते हुए इंडिगो ने मिडिल ईस्ट एयरस्पेस का इस्तेमाल करने वाली चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का अस्थायी निलंबन 2 मार्च 2026, रात 11:59 बजे तक बढ़ा दिया है। यह कदम पूरी तरह से सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उठाया गया है, ताकि यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। प्रभावित उड़ानों की पूरी सूची एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। इंडिगो ने कहा कि यात्रा योजनाओं में बदलाव से यात्रियों को असुविधा हो सकती है। जिन यात्रियों की बुकिंग प्रभावित हुई है, वे वैकल्पिक फ्लाइट चुन सकते हैं या पूरा रिफंड भी ले सकते हैं। इससे संबंधित अधिक जानकारी इंडिगो की ऑफिशियल वेबसाइट पर मौजूद है।

एयरलाइन ने यह भी बताया कि मिडिल ईस्ट और अन्य प्रभावित अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों के लिए बुकिंग करने वाले यात्रियों के लिए 7 मार्च 2026 तक पूरी फ्लेक्सिबिलिटी और शुल्क माफी लागू रहेगी। यह सुविधा उन बुकिंग्स पर लागू है जो 28 फरवरी 2026 या उससे पहले की गई हैं। इस दौरान यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी बुकिंग रद्द कर सकते हैं या नई तिथियों पर यात्रा को कर सकते हैं।इंडिगो ने भरोसा दिलाया है कि आगे आने वाले किसी भी बदलाव की सूचना यात्रियों के रजिस्टर्ड कॉन्टैक्ट नंबर या ईमेल पर दी जाएगी।

बांसवाड़ा-उदयपुर हाईवे पर चलती बस बनी आग का गोला : धू-धू कर जली स्लीपर कोच, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

सलूंबर/उदयपुर (आरएनएस)। सलूंबर जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांसवाड़ा-उदयपुर मार्ग पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। यहाँ एक चलती स्लीपर कोच बस अचानक आग की लपटों में घिर गई। देखते ही देखते पूरी बस कोयला बन गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी 5 यात्री, ड्राइवर और क्लीनर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। इंजन से निकला धुआँ और देखते ही देखते मची चीख-पुकार यह घटना सुबह करीब 6:00 बजे गरडा गांव के पास हुई। आशापुरा ट्रैवल्स की मुल्तानी सोना बस बांसवाड़ा से उदयपुर की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस अपनी रफ्तार में थी तभी अचानक इंजन वाले हिस्से से गहरा काला धुआँ निकलने लगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कृषक कल्याण वर्ष में अनूठी पहल

बड़वानी जिले के जनजातीय बहुल ग्राम नागलवाड़ी में होगी कृषि केबिनेट, मुख्यमंत्री सहित पूरा मंत्री-मंडल होगा शामिल

सोमवार को नागलवाड़ी में लिए जायेंगे अन्नदाताओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में लगातार कार्य किया जा रहा है। हमारा यह संकल्प है कि प्रदेश के अन्नदाताओं को आत्म-निर्भर बनाते हुए उनकी आय को दोगुना किया जाये। इसी क्रम में सोमवार 2 मार्च को जनजातीय बहुल जिले बड़वानी के नागलवाड़ी में किसान कल्याण वर्ष की पहली कृषि केबिनेट होने जा रही है। इस दिन नागलवाड़ी से ही सरकार किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेगी। राज्य सरकार का मंत्री-मंडल पूरा दिन नागलवाड़ी में रहेगा, जहाँ कृषि केबिनेट सहित प्रबुद्धजन एवं किसानों के साथ संवाद होगा और कृषि एवं जनजातीय कल्याण पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।लगभग 6 हजार की जनसंख्या वाला ग्राम नागलवाड़ी जनजातीय बहुल ग्राम है। यहाँ मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में होने वाली कृषि केबिनेट न केवल बड़वानी जिले अपितु पूरे निमाड़ क्षेत्र के विकास के लिए निर्णायक साबित होगी। नागलवाड़ी स्थित 800 वर्ष पुराना प्राचीन भिलट देव मंदिर जनजातीय आस्था में विशेष महत्व रखता है। कृषि केबिनेट के बाद पूरा मंत्री-मंडल इस मंदिर में दर्शन भी करेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषि केबिनेट के बाद किसानों और प्रबुद्धजन से संवाद भी करेंगे। संवाद के दौरान एक ओर प्रदेश एवं किसानों के हित में किये जा रहे कार्यों एवं योजनाओं को साझा किया जायेगा, वहीं क्षेत्र विकास के लिये किसानों एवं प्रबुद्धजन के विचारों और उनकी अपेक्षाओं को जाना जायेगा। कार्यक्रम स्थल पर जनजातीय विकास और कृषि आधारित विकास प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं मंत्रि-परिषद के सदस्य जनजातीय समाज के जुलवानिया में आयोजित भगोरिया हाट की परम्परा में भी शामिल होंगे। केबिनेट के अलावा होने वाले सभी कार्यक्रमों में जनजातीय परम्परा की स्पष्ट झलक दिखाई देगी।

LoC पर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय सेना की ताबड़तोड़ फायरिंग के बाद दुम दबाकर भागा

जम्मू (ए.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) पर रविवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब भारतीय सीमा के भीतर एक पाकिस्तानी ड्रोन घुसपैठ की कोशिश करता नजर आया। दिगवार इलाके में आसमान में मंडराते इस संदिग्ध ड्रोन को देखते ही मुस्तैद भारतीय सेना के जवानों ने बिना कोई देरी किए अपनी बंदूकें तान लीं। जवानों ने इसे मार गिराने के इरादे से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी, जिससे दुश्मन के खेमे में दहशत फैल गई।

गोलियों की बौछार के बीच बचा ड्रोन, चप्पे-चप्पे पर सर्च ऑपरेशन जारी

अधिकारियों के मुताबिक, फॉरवर्ड पोस्ट पर तैनात सतर्क जवानों ने सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर इस दुश्मन ड्रोन को देखा था। इसे नेस्तनाबूद करने के लिए जवानों ने एक दर्जन से भी ज्यादा राउंड गोलियां दागीं। हालांकि, भारतीय सेना के इस कड़े प्रहार के बीच ड्रोन बाल-बाल बच गया और कुछ ही देर में वापस पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) की तरफ भाग निकला। घटना के तुरंत बाद इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस ड्रोन के जरिए घाटी में कोई हथियार या नशीले पदार्थ तो नहीं गिराए गए हैं।

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पिछले महज तीन दिनों के भीतर यह दूसरी बार है जब सीमा पार से इस तरह की ड्रोन हलचल देखने को मिली है और भारतीय सैनिकों को फायरिंग करनी पड़ी है। इससे पहले 27 फरवरी को भी इसी इलाके में जवानों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग कर उसके मंसूबों पर पानी फेरा था। लगातार हो रही इन घुसपैठ की कोशिशों को देखते हुए पूरी नियंत्रण रेखा पर हाई अलर्ट कर दिया गया है और जवान हर हरकत पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

जापान दौरे पर सीएम योगी की बच्चों से भी मुलाकात, संस्कार और संवेदनशीलता विकसित करने की दी प्रेरणा

लखनऊ (आरएनएस)। काबिले तारीफ है, अंदाज एक-एक काम का, गा रहा है गीत यूपी, योगी जी के नाम का... मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम का यह गीत न सिर्फ 25 करोड़ प्रदेशवासी, बल्कि निश्छल मन वाले बच्चे भी गा रहे हैं। कानपुर की खुशी की आवाज लौटाने से लेकर लखनऊ की अंजना के मकान को कब्जामुक्त कराने और गोरखपुर की पंखुड़ी की फीस की चिंता करने से लेकर कानपुर की मायरा, मुरादाबाद की वाची, लखनऊ की अनाबी, लखीमपुर खीरी के शिवांशु-अजय कुमार समेत अनेक बच्चों के भविष्य को संवारने का जिम्मा संभालने वाले सीएम योगी की बच्चों से अद्भुत बॉन्डिंग है। बच्चे भी उनसे मिलने के लिए उत्सुक रहते हैं। जापान दौरे पर यामानाशी में भी सीएम योगी को देखने, उनसे मिलने और बात करने के लिए बच्चों में भारी उत्साह देखा गया। एक छोटे बच्चे ने उनके सामने 'कर्पूरगौरं करुणावतारं' मंत्र का वाचन शुरू किया। एक लाइन भूल जाने पर मुख्यमंत्री ने स्वयं मंत्र को पूरा कर न सिर्फ बच्चे के आत्मविश्वास को बल दिया, बल्कि भारतीय संस्कृति व संस्कार को धारण करने के लिए बच्चे पर अपना स्नेह भी लुटाया। यहां सीएम ने बच्चों के साथ 'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु:' मंत्र का उच्चारण भी किया। बच्चों ने मुख्यमंत्री के पैर छूकर आशीर्वाद लिया तो मुख्यमंत्री ने भी चॉकलेट देकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी।

द्वारका पुलिस की बड़ी कार्रवाई, काला जठेड़ी गैंग का शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। द्वारका जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) टीम ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए काला जठेड़ी-ओम प्रकाश गिरोह के एक सक्रिय सहयोगी को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मनीष उर्फ मिशु (19 वर्ष), निवासी झरोड़ा कलां, दिल्ली है, जिसे द्वारका नाला रोड, मेट्रो पिलर नंबर पी-9, हरि विहार के पास से दबोचा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था, लेकिन समय रहते पुलिस ने उसे पकड़कर संभावित टारगेट किलिंग की साजिश नाकाम कर दी। दरअसल, द्वारका जिले के डीसीपी के निर्देश पर एएटीएस टीम को इलाके में सक्रिय संगठित आपराधिक गिरोहों और अवैध हथियार सप्लाई नेटवर्क पर शिकंजा कसने की विशेष जिम्मेदारी दी गई थी।

प्रियंका गांधी ने ईरान-इज़राइल तनाव पर कहा- आज युद्ध नहीं शांति की आवश्यकता

-फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी की सरकार से अपील

नई दिल्ली,(ए.)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और उसके बाद अमेरिका व इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों को घृणित करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि लोकतांत्रिक दुनिया के नेताओं द्वारा किसी संप्रभु राष्ट्र के नेता की लक्षित हत्या और निर्दोष लोगों की मौत स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य है।

प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी के कथन का हवाला देते हुए कहा, आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती है, और जो दुनिया को आज जरूरत है, वह अनावश्यक युद्धों की नहीं बल्कि शांति की है। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।सांसद प्रियंका गांधी के बयान से पहले, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। सिंह ने इसे एक युग का अंत बताया और भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ईरान ने हमेशा भारत का समर्थन किया है और संकट के समय भारत सरकार को अपना स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए।

वन्य-जीव संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने कूनो नदी में रिलीज किये घड़ियाल और कछुए

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में घड़ियाल और कछुओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है। विलुप्त होते जीवों के संरक्षण के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू हुआ चीता प्रोजेक्ट निरंतर सफलता की ओर आगे बढ़ रहा है। इससे प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 48 हो गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में घड़ियाल और कछुओं को रिलीज करने के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश आने वाले सैलानियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में 53 घड़ियाल और 25 कछुए नदी में रिलीज किये। गेवेलियस गेंगेटिक्स नाम के छोड़े गये 53 घड़ियाल में से 28 नर एवं 25 मादा शामिल हैं। इसी प्रकार 25 कछुए थ्री स्ट्रिप्ड रूफ टर्टल प्रजाति के हैं, जिनका वैज्ञानिक नाम वाटागुरु डोगोका है।

इस अवसर पर वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत, सहरिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष तुरसनपाल बरिया, उपाध्यक्ष सीताराम आदिवासी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डीबाई आदिवासी, विधायक बृजराज सिंह चौहान, प्रमुख सचिव वन संदीप यादव, कमिश्नर सुरेश कुमार, डीआईजी सचिन अतुलकर, कलेक्टर अर्पित वर्मा, संचालक राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, डीएफओ हरीश बघेल, कूनो डीएफओ आर. थिरुकुराल और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य देवरी मुरैना की ओर से स्मृति-चिन्ह भेंट किये गये।

भोपाल में हुई सनातन हिंदू धर्म सभा-सरकार से सनातन बोर्ड गठन की मांग

भोपाल (आरएनएस)। हिंदी भवन में आयोजित होने वाली सनातन हिंदू धर्मसभा को लेकर आयोजकों ने रविवार को विस्तृत जानकारी दी। धर्म सुधाकर सेवा समिति के तत्वावधान में होने वाले इस आयोजन का उद्देश्य सनातन के मूल स्वरूप को समझाना, समरसता का संदेश देना और समाज को एकता के सूत्र में बांधना बताया गया है।

समिति के संस्थापक आचार्य पंडित योगेंद्र शास्त्री व्याकरण शिक्षाचार कार्यक्रम ने कहा कि संस्था मध्यप्रदेश सहित पूरे भारतवर्ष में सनातन धर्मसभाएं आयोजित कर रही है, ताकि लोग सनातन के वास्तविक स्वरूप अहिंसा, करुणा और 'वसुधैव कुटुंबकम' को समझ सकें। उनके अनुसार सनातन किसी एक वर्ग या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण विश्व को परिवार मानने की भावना सिखाता है।

पद्म विलोचन शुक्ला बने बड़वानी के नए पुलिस अधीक्षक, कैबिनेट बैठक से पहले सौंपी कमान

भोपाल (निप्र)। बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में मोहन मंत्रिमंडल की पहली कृषि कैबिनेट बैठक से पहले जारी आदेश में शुक्ला को बड़वानी की कमान सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व एसपी जगदीश डावर एक माह पहले सेवानिवृत्त हो गए थे। उनके रिटायरमेंट के बाद से जिले में प्रभारी पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में कार्य संचालित हो रहा था। अब नियमित नियुक्ति के साथ प्रशासनिक व्यवस्था को स्थिरता आएगी। पद्म विलोचन शुक्ला इससे पहले पुलिस अधीक्षक, रेल इंदौर के पद पर पदस्थ थे। वे भोपाल में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (यातायात) तथा झाबुआ के पुलिस अधीक्षक के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं।

झाबुआ में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बुजुर्गों और पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से '3डी अभियान' शुरू किया था। इस अभियान का उद्देश्य तीन सामाजिक बुराइयों डीजे (तेज ध्वनि), दारू (शराब) और दापा (दहेज प्रथा का एक रूप) पर रोक लगाना था। इस पहल को सामाजिक जागरूकता के प्रयास के रूप में सराहा गया था। नई जिम्मेदारी के साथ अब शुक्ला के सामने पहले ही दिन कैबिनेट बैठक के सफल आयोजन के साथ ही आने वाले समय में जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की अहम चुनौती होगी।

अमरीन अहमदाबाद में स्पॉ सेंटरों से सांठगांठ कर फ्लैट से चला रही थी देह व्यापार, नया खुलासा

भोपाल (निप्र)। राजधानी भोपाल के बागसेवनिया थाना क्षेत्र में स्थित सागर रॉयल विला में किराये का मकान लेकर गरीब हिंदू युवतियों का धर्मांतरण कराने और देह व्यापार में धकेलने वाली अमरीन का गिरोह अहमदाबाद में भी फैला हुआ है। अमरीन ने जिस तरीके से भोपाल में अपरा रैकेट चलाने के लिए पुराने व विश्वसनीय ग्राहक चंदन यादव का धर्म परिवर्तन कराकर उसे लिवइन पार्टनर बनाया था। उसी तरह अहमदाबाद के पुराने ग्राहक यासिर को मंगेतर बनाकर उसे वहां देह व्यापार का काम सौंप रखा था।

अमरीन के देह व्यापार को अहमदाबाद में यासिर ही संभाल रहा था। अमरीन ने यासिर के साथ मिलकर अहमदाबाद में जुहापुरा क्षेत्र में राजदरबार होटल के पीछे एक फ्लैट किराये पर लिया था। इसी फ्लैट से वह अहमदाबाद में देह व्यापार का रैकेट चला रही थी। अहमदाबाद में रैकेट चलाने के लिए उसी शहर के आधा दर्जन से अधिक बड़े स्पॉ सेंटर में अमरीन और यासिर ने सांठगांठ की थी। इन्हीं स्पॉ सेंटर से देह व्यापार के लिए लड़कियां और ग्राहकों को सौदा तय करके यासिर अपने किराये के फ्लैट पर लाता और देह व्यापार कराता था।

देह व्यापार के कारण टूट चुका है आफरीन का निकाह

अमरीन की बहन आफरीन भी भोपाल में संचालित गिरोह का मुख्य किरदार है। आफरीन की शादी जमालपुर में हुई थी, लेकिन ससुराल वालों को जब पता चला कि अमरीन और आफरीन गलत धंधे में लिप्त हैं तो ससुराल वालों का आए दिन आफरीन से विवाद होने लगा। इसके बाद आफरीन ससुराल छोड़कर वापस भोपाल अपने बहन अमरीन के पास आ गई और धंधे में हाथ बंटाने लगी। हालांकि आफरीन के तलाक का केस अभी अदालत में विचाराधीन है। आफरीन के ससुराल वालों के जरिए ही यासिर का संपर्क अमरीन से हुआ था। इसके बाद यासिर भी इस गिरोह का ग्राहक बन गया। बाद में अमरीन का विश्वस्त बना। अमरीन ने उसे अपना मंगेतर बनाकर अहमदाबाद में देह व्यापार को संचालित करने का बड़ा काम सौंप दिया। इस केस में एक बात कॉमन मिली है कि अमरीन ने भोपाल में देह व्यापार का धंधा चलाने के लिए पुराने ग्राहक चंदन यादव को प्रेमी और लिवइन पार्टनर बनाया। वहीं अहमदाबाद में रैकेट चलाने पुराने ग्राहक यासिर को मंगेतर बनाकर काम सौंप दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अशोकनगर जिले के मढ़ी महिदपुर में वरिष्ठ समाजसेवी हितानंद शर्मा के घर पहुंचकर उनकी माता जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अरेरा हिल्स में 12 गुंडे-बदमाश गिरफ्तार

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने अरेरा हिल्स क्षेत्र में सख्त कार्रवाई की है। भोपाल पुलिस के निर्देश पर थाना अरेरा हिल्स पुलिस ने भीमनगर और रोशनपुरा झुग्गी इलाके में शांति व्यवस्था भंग करने वाले 12 लोगों को गिरफ्तार कर धारा 170 बीएनएसएस के तहत जेल भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक 26 फरवरी को चार लोगों को शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसके अगले ही दिन 27 फरवरी को फिर से अभियान चलाते हुए 12 आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों में भीमनगर और रोशनपुरा क्षेत्र के निवासी शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों पर आरोप है कि वे इलाके में आए दिन विवाद, मारपीट और उपद्रव की घटनाओं में शामिल रहते थे, जिससे स्थानीय लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा था। पुलिस ने सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में असामाजिक तत्वों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जहां भी शांति व्यवस्था भंग करने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाएगी, वहां तत्काल सख्त कार्रवाई होगी।

मार्च से तपेगा एमपी, 35 डिग्री पहुंचा पारा, अगले 3 महीनों में ज्यादा गर्मी और लू के संकेत

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में फरवरी खत्म होते-होते ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। जारी मौसम आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। दिन का पारा सामान्य से 2 से 4 डिग्री तक ऊपर चल रहा है, जिससे दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाओं का अहसास होने लगा है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के किसी भी हिस्से में बारिश दर्ज नहीं हुई। सुबह के समय आर्द्रता अपेक्षाकृत अधिक रही, लेकिन शाम तक नमी कम हो गई। दृश्यता सामान्य दर्ज की गई।

खंडवा सबसे गर्म, भोपाल में भी चढ़ा पारा

पश्चिमी मध्यप्रदेश में गर्मी का असर ज्यादा दिखाई दिया।खंडवा में अधिकतम तापमान 35एष्ट दर्ज हुआ, जो प्रदेश में सबसे ज्यादा रहा। नर्मदापुरम में 34.3एष्ट,गुना में 33.4एष्ट,राजधानी भोपाल में 32.4एष्ट तापमान रिकॉर्ड किया गया। पूर्वी मध्यप्रदेश में भी हालात अलग नहीं रहे। जबलपुर, दमोह, सागर, रीवा, सतना समेत अधिकांश शहरों में तापमान 32 से 34 डिग्री के बीच रहा।रात के तापमान में अभी हल्की राहत है। सबसे कम न्यूनतम तापमान पचमढ़ी में 11.8एष्ट दर्ज किया गया, जिससे पहाड़ी इलाकों में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है।

मार्च से मई तक ज्यादा गर्मी के संकेत

इस बीच मौसम विभाग ने मार्च से मई (हॉट वेदर सीजन) के लिए अपना मौसमी आउटलुक जारी किया है। इसके मुताबिक देश के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। मध्य भारत के कई इलाकों में सामान्य से ज्यादा गर्म दिन पड़ सकते हैं।

बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे या पोल के पास होली न जलाएंः ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल (आरएनएस)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रदेशवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएँ दी हैं। साथ ही विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे होलिका दहन के पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियाँ रखकर सुरक्षित होली मनाएं। उन्होंने सभी से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या पोल के आसपास होली न जलाएं, क्योंकि इससे तार अथवा विद्युत उपकरण पिघल सकते हैं और दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। देखते ही देखते छोटी-सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि होलिका दहन का कार्यक्रम बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें।

भोपाल में खामेनेई की मौत पर शिया समुदाय में मातम-अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के लगे नारे

भोपाल (आरएनएस)। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर भारत के शिया समुदाय में भी शोक की लहर है। भोपाल के करोंद स्थित शिया मस्जिद में रविवार को जोहर की नमाज के बाद श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए इमाम बाकर हुसैन ने कहा पूरी दुनिया उस शख्सियत को जानती है, जिसने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और मजलूमों का साथ दिया। खामेनेई ने अपने जीवन में अत्याचार का विरोध किया और इस्लामी इंकलाब के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया।

उन्होंने इमाम हुसैन की मौत का जिक्र करते हुए कहा इतिहास गवाह है कि किसी विचारधारा या आंदोलन को किसी एक व्यक्ति के जाने से समाप्त नहीं किया जा सकता। इंकलाब की राह आगे भी जारी रहेगी और उसे आगे बढ़ाने वाले लोग मौजूद रहेंगे।

अंत में इमाम हुसैन ने ताजियत पेश की। सभा में मौजूद लोगों ने इजराइल मुर्दाबाद, अमेरिका मुर्दाबाद, खामेनेई जिंदाबाद, अल्लाह हू अकबर और या हुसैन के नारे लगाए गए।

मजलिस को संबोधित करते हुए इमाम बाकर हुसैन ने कहा कि दुश्मन अक्सर सामने से नहीं, बल्कि पीछे से वार करता है। उन्होंने कहा कि अयातुल्ला खामेनेई की शहादत से उम्मत-ए-मुसलमान खुद को यतीम महसूस कर रही है। शहादत किसी भी विचारधारा को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे और मजबूत बनाती है।

इमाम हुसैन ने लोगों से एकजुट रहने और सब्र बनाए रखने की अपील भी की।

मस्जिद मोहम्मदी के इमाम जुमा सैयद अजहर हुसैन रिजवी ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अयातुल्ला अली खामेनेई को उम्मत-ए-मुसलमान का निडर रहबर बताते हुए कहा कि वे हमेशा जालिम के खिलाफ और मजलूम के समर्थन में खड़े रहे।

उन्होंने कहा कि खामेनेई ने कभी फिरके या मिल्लत के आधार पर भेदभाव नहीं किया, बल्कि जहां भी अत्याचार हुआ, उसके खिलाफ आवाज उठाई। मजलूम का साथ देना इंसानियत और हकानियत की पहचान है जबकि जुल्म का समर्थन करना ईश्वरीय दृष्टि में गुनाह माना जाता है।

अयातुल्ला अली खामेनेई 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज हैं। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी।

इस्लामिक क्रांति के बाद खामेनेई को 1981 में राष्ट्रपति बनाया गया। वह 8 साल तक इस पद पर रहे। 1989 में ईरान के सुप्रीम लीडर खुमैनी की मौत के बाद उन्हें उत्तराधिकारी बनाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक अयातुल्ला धर्मगुरु की एक पदवी है।

मध्य प्रदेश में होली की खुशी दोगुनी, तीन मार्च के साथ अब चार मार्च को भी सार्वजनिक अवकाश

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश में होली पर्व को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रदेश के हजारों स्थानों पर सोमवार को होलिका दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बार होली का मुख्य दिन कुछ अलग रहेगा, क्योंकि तीन मार्च को खग्रास चंद्रग्रहण है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण के दौरान सूतक काल लागू रहता है और इस अवधि में उत्सव नहीं मनाया जाता है, इसलिए इस साल होली का रंगोत्सव दहन के दूसरे दिन के बजाए चार मार्च बुधवार को तीसरे दिन मनाया जाएगा।

राज्य सरकार ने पहले ही तीन मार्च को होली के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था, लेकिन अब रविवार को जारी नए आदेश के अनुसार, अब तीन और चार मार्च 2026 दोनों दिन सार्वजनिक और सामान्य अवकाश रहेगा। यह आदेश 'निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट 1881' के तहत लिया गया है। धार्मिक और खगोलीय कारणों से होली उत्सव का दिन बदलना आवश्यक था, ताकि जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस बार होली उत्सव की शुरुआत दो मार्च की रात से होगी, जब पूरे राज्य में होलिका दहन का आयोजन किया जाएगा। उसके बाद रंग उत्सव चार मार्च को मनाया जाएगा।

प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी जिलों में होली समारोह को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बता दें, होली का पर्व धार्मिक रीति-रिवाज और खगोलीय स्थितियों को ध्यान में रखते हुए मनाया जाता है। जनता को रंगों और खुशियों के साथ-साथ सावधानी और अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई है। यह बदलाव इस पर्व को सुरक्षित और आनंददायक बनाने के लिए किया गया है।

जनजाति अंचल में पहली बार बड़वानी में आयोजित होगी कृषि कैबिनेट : कंषाना

भोपाल (आरएनएस)। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 में किसानों को बड़ी सौगातें मिल रही हैं। इसके तहत जनजातीय अंचल में पहली बार कृषि कैबिनेट की ऐतिहासिक बैठक 2 मार्च को बड़वानी में आयोजित होने जा रही है। बैठक में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जायेंगे।

कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र में कृषि कैबिनेट का आयोजन राज्य सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंषाना ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना, सिंचाई, बीज, खाद एवं विपणन व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाना है।

कृषि मंत्री ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत प्रदेश के किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। बड़वानी में आयोजित होने वाली कृषि कैबिनेट बैठक में विशेष रूप से जनजातीय किसानों की समस्याओं, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि अधोसंरचना विकास पर भी चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद ऑपरेटरों ने वापस लिया 2 मार्च का आंदोलन

– बस हड़ताल टली, यात्रियों को बड़ी राहत

जबलपुर, (ए.)। जबलपुर सहित पूरे मध्य प्रदेश के बस यात्रियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। आज 2 मार्च को प्रस्तावित बस ऑपरेटरों की राज्यव्यापी हड़ताल को आधिकारिक रूप से रद्द कर दिया गया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई सकारात्मक चर्चा के बाद लिया गया।गौरतलब है कि बस ऑपरेटरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 2 मार्च से हड़ताल पर जाने की घोषणा की थी, जिससे प्रदेशभर में यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि, यात्रियों की संभावित परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री ने बस संचालकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में सरकार की ओर से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद बस एसोसिएशन ने हड़ताल वापस लेने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से निकला समाधान.... चर्चा के दौरान बस ऑपरेटरों ने टैक्स, परमिट और अन्य प्रशासनिक मुद्दों से जुड़ी अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विचार करने और चरणबद्ध समाधान निकालने का भरोसा दिलाया।

गायत्री शक्तिपीठ पर यज्ञ और संस्कार सम्पन्न

धार (ए.)। 1 मार्च 2026 धार गायत्री शक्तिपीठ पर आज रविवार को नामकरण, पुंसवन, अन्नप्राशन, जन्मोत्सव संस्कार सहित विभिन्न 6 संस्कारों करवाए जाने के साथ यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ में बड़ी संख्या में शामिल श्रद्धालुओं द्वारा गायत्री महामंत्र और महामृत्युंजय मंत्रों के साथ यज्ञ कुंड में आहुतियां दी गई। यज्ञ के साथ आज पुंसवन संस्कार, नामकरण संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार और जन्मोत्सव संस्कार भी करवाए गए जिन लोगों के संस्कार करवाए गए उन्हें गायत्री परिजनों द्वारा मंत्रों उच्चार के साथ हार, पहनाकर एवं उन पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया गया।धार गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ पर प्रतिदिन प्रातः यज्ञ का आयोजन होता है साथ ही विभिन्न संस्कार भी निशुल्क करवाए जाते हैं।

सागरः होली पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, अलर्ट मोड में पुलिस

सागर, (ए.)। मध्य प्रदेश के सागर में होली पर्व और वर्तमान संवेदनशील परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार शाहवाल के निर्देशन में जिले भर में "उत्सव खुशियों का, समझौता नहीं कानून स" अभियान के तहत व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (बीना) संजीव उईके और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सागर) लोकेश कुमार सिंहा के मार्गदर्शन में पूरे जिले को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।सागर पुलिस ने रविवार को जानकारी दी है कि जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शहर के प्रमुख तिराहों-चौराहों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पैदल पेट्रोलिंग और वाहन चेकिंग के साथ-साथ इस बार सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए उपद्रवियों पर नजर रखी जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध तत्काल ई-चालान की कार्रवाई की जाएगी। तीन सवारी, ओवर स्पीडिंग और स्टंट करने वालों की

गाड़ियां जब्त की जाएंगी। बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों पर नियमानुसार चालान काटा जाएगा। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) जैसे प्लेटफॉर्म की 24म7 मॉनिटरिंग की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सांप्रदायिक या भ्रामक पोस्ट साझा करने वालों के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। रील या वीडियो के जरिए अपराध का महिमामंडन करने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा।छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए बोर्ड परीक्षाओं के केंद्रों के आसपास विशेष पुलिस बल तैनात किया गया है। परीक्षा केंद्रों के पास अनावश्यक भीड़ लगाने, डीजे बजाने या शोर-शराबा करने वालों पर तत्काल कार्रवाई होगी।

मौला की लंबी उम्र और देश दुनिया में अमन सुकून के लिए तीन दिवसीय कुरान खुवानी का हुआ आयोजन

बुरहानपुर (ए.)। दस्तक पवित्र माह रमजान में दाऊदी बोहरा समाज जनों ने पवित्र दाऊदी बोहरा समाज के 53 वें धर्म गुरु की लबी उम्र और बेहतर स्वस्थ के लिए तिलावत ए कुरान खुवानी का आयोजन नजमपुरा स्थित नजमी मस्जिद में किया गया इस संबंध में दाऊदी बोहरा जमात PRO कमेटी कोआर्डिनटर तफज्जुल हुसैन मुलायमवाला ने जानकारी देते हुए बताया की शहर आमिल शेख हैदर भाई साहब जमाली की सदारत मे बुरहानपुर स्थित नजमी मस्जिद मे दाऊदी बोहरा समाज के 53 वें धर्मगुरु सैय्यादन डॉ. मुफादल सैफुदीन साहब की लबी उम्र और बेहतर स्वस्थ के लिए 3 दिवसीय कुरानखानी का आयोजन शुक्रवार, शनिवार, रविवार को रात्रि 10 से 1 बजे तक किया गया साथ ही रात्रि मे तहजूद की नमाज भी समाज जनों द्वारा अदा की गई। दाऊदी बोहरा जमात PRO कमेटी कोआर्डिनटर ने बातया की पवित्र रमजान माह दाऊदी बोहरा समाज के सभी महिला पुरुष एवं बच्चे प्रतिदिन रोजे, नमाज, तिलावत ए कुरान पढ़ कर बुरहानपुर स्थित दाऊदी बोहरा मस्जिदों मे सामूहिक रूप से अल्लाह की इबादत कर रहे है। दाऊदी बोहरा समाज के सभी लोग प्रति दिन समाज की मस्जिदों मे शाम को रोजा इफ्तारी के साथ साथ अल्लाह की इबादत कर रहे है जिसमे शुक्रवार से रविवार तक विशेष रूप से 53 वें धर्मगुरु सैय्यादन डॉ. मुफादल सैफुद्दीन साहब की लबी उम्र और बेहतर स्वस्थ के लिए दाऊदपुरा स्तिथ नजमी मस्जिद मे पवित्र कुरान की तिलावत की गई। जिसमे शहर आमिल साहब शेख हैदर भाई साहब जामली नायब शहर आमिल शेख युसूफ भाई साहब ने 53 वें धर्मगुरु सेय्य्दना डॉ. मुफादल सैफुद्दीन साहब की लंबी उम्र और बेहतर स्वस्थ के लिए अल्लाह से दुआएं की गई साथ ही बोहरा समाज जनों द्वारा पवित्र रमजान मे विशेष रूप से अपने भारत सहित पूरी दुनिया मे अमन सुकून और तरक्की के साथ साथ सभी की खुशहाली की दुआएं के साथ ही मौला की खास नजरें इनायत की भी दुआए की जिस मे महिलाएं पुरुषो के साथ साथ नन्हें नन्हें बच्चों ने भी दुआ की ज्ञात हो कि पवित्र माह रमजान इबादतों का महीना कहा जाता है!

आगरमालवाः गैस गीजर फटने से अस्पताल हुआ क्षतिग्रस्त

आगरमालवा, (ए.)। मध्य प्रदेश के आगरमालवा जिले के कानड़ कस्बे में रविवार दोपहर स्थानीय माता मंदिर के समीप पुराने बस स्टेण्ड के पास स्थित एक निजी अस्पताल की उपरी मंजिल पर अचानक जोरदार विस्फोट हो गया।धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना में किसी को चोट नहीं आई। धमाके के कारण अस्पताल भवन का एक मंजिला हिस्सा भरभराकर गिर गया तथा भवन की कांच की खिड़कियां और दरवाजे टूट गए। मलबा नीचे गली और क्लीनिक परिसर में फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और क्षेत्र को सुरक्षित किया।थाना प्रभारी राजेश दांगी ने बताया कि प्राथमिक जांच में गैस गीजर के फटने की पुष्टि हुई है। विस्फोट के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है ताकि वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। विस्फोट के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्रित हो गए।

मुख्यमंत्री द्वारा नदी में छोड़े गए घड़ियाल और कछुए

श्योपुर(ए.) मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में घड़ियाल और कछुओ को रिलीज किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पर्यावरण एवं पर्यटन की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण अवसर हैं, मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष मध्यप्रदेश आने वाले सैलानियों की संख्या में वृष्टि हुई है।

राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य के तत्वाधान में आयोजित घड़ियाल रिलीज कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि घड़ियाल और कछुओ का संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है। विलुप्त होते जीवों के संरक्षण के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश की सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में माननीय प्रधानमंत्री जी की पहल पर शुरू हुआ चीता प्रोजेक्ट निरंतर सफलता की ओर आगे बढ़ रहा है। गत दिवस ही बोत्सवाना से आए 9 चीतों को रिलीज किया गया है, जिससे प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है।कूनो नेशनल पार्क के भीतर पालपुर फोर्ट के सामने कूनो नदी किनारे आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा 53 घड़ियाल और 25 कछुए नदी में छोड़े गए, गेवेलियस गैंगेटिक्स नाम के छोड़े गए 53 घड़ियालो में 28 नर एवं 25 मादाएं शामिल हैं। इसी प्रकार छोड़े गए 25 कछुए थ्री स्ट्रिप्ड रूफ टार्टल प्रजाति के हैं, जिनका वैज्ञानिक नाम वाटागुरु डोगोका है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय चम्बल अभयारण्य देवरी मुरैना की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

व्यापार समाचार

इजरायल-ईरान युद्ध बढ़ने से सोने-चांदी की कीमतों में तेज उछाल की आशंका : मार्केट एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली (आरएनएस) । बाजार विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे सोमवार को सोने और चांदी की कीमतें तेज बढ़त के साथ खुल सकती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए प्रीवेंटीव अटैक यानी एहतियाती सैन्य हमले के बाद बढ़ी अनिश्चितता निवेशकों को सोना और चांदी खरीदने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिससे इनकी कीमतों में और तेजी आ सकती है।

शनिवार को इजरायल द्वारा ईरान पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद तेहरान में जोरदार विस्फोट हुए, जिससे क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है।

इस घटनाक्रम को देखते हुए विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध की आशंका से वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ेगी।

एक विशेषज्ञ ने कहा, अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से अनिश्चितता बढ़ेगी और निवेशक सोना व चांदी को सुरक्षित निवेश के रूप में देखेंगे। हमें कीमती धातुओं में तेज बढ़त के साथ बाजार खुलने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय वायदा बाजार में सोना फिलहाल 5,300 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर रुकावट का सामना कर रहा है।

बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक, यदि यह स्तर पार होता है तो घरेलू बाजार में सोने की कीमत 10 ग्राम के लिए 1,68,000 रुपए से 1,70,000 रुपए तक पहुंच सकती है।

तकनीकी दृष्टि से, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 1,60,000 रुपए के स्तर को पार कर चुका है और पिछले स्थिर दायरे से बाहर निकल आया है। फिलहाल कीमतें 1,62,000 रुपए के आसपास स्थिर हो रही हैं। विश्लेषकों का मानना है कि जब तक सोना 1,60,000 रुपए से ऊपर बना रहता है, तब तक यह निकट भविष्य में 1,63,500 से 1,65,000 रुपए तक जा सकता है।

भारत का राजकोषीय घाटा जनवरी के अंत तक 9.8 लाख करोड़ रुपए रहा

नई दिल्ली (आरएनएस) । भारत का राजकोषीय घाटा चालू वर्ष 26 की शुरुआत से जनवरी के अंत तक 9.8 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 63 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि भारत सरकार को जनवरी 2026 तक 27,08,654 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं, जो कि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित संशोधित अनुमान 79.5 प्रतिशत है। इसमें 20,94,218 करोड़ रुपए कर राजस्व (केंद्र को प्राप्त शुद्ध राशि), 5,57,307 करोड़ रुपए गैर-कर राजस्व और 57,129 करोड़ रुपए गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं। इस अवधि के दौरान भारत सरकार द्वारा राज्य सरकारों को करों के हिस्से के हस्तांतरण के रूप में 11,39,767 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 65,588 करोड़ रुपए अधिक है।इस अवधि के दौरान भारत सरकार द्वारा किया गया कुल व्यय 36,90,061 करोड़ रुपए रहा है, जो कि वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित कुल व्यय अनुमान का 74.3 प्रतिशत है, जिसमें से 28,47,780 करोड़ रुपए राजस्व मद पर और 8,42,281 करोड़ रुपए पूंजी मद पर व्यय किए गए है। कुल राजस्व व्यय में से 9,88,302 करोड़ रुपए ब्याज भुगतान के मद पर और 3,54,861 करोड़ रुपए प्रमुख सब्सिडी के मद पर व्यय किए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत तक और कम करने का अनुमान लगाया है।

हवाई सफर करने वालों के लिए बुरी खबर! आज रद्द होंगी 444 इंटरनेशनल Flights, घर से निकलने से पहले पढ़ लें ये अपडेट

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों का सीधा असर भारतीय विमानन कंपनियों और यात्रियों पर पड़ा है। केंद्र सरकार के नागर विमानन मंत्रालय ने इस बात की आशंका जताई है कि आज यानी 1 मार्च को 444 इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल हो सकती हैं। इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हालिया हमलों के बाद, मंत्रालय ने शनिवार को सभी विमानन हितधारकों की तैयारियों को लेकर एक अहम समीक्षा बैठक की। मंत्रालय ने रविवार सुबह सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि ईरान और पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्र में पाबंदियों के चलते 28 फरवरी को भी 410 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं, और आज हालात और भी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं।

यात्रियों की परेशानी दूर करने के लिए कंट्रोल रूम एक्टिव

उड़ानों के बड़े पैमाने पर रद्द होने से यात्रियों की संभावित परेशानी को देखते हुए विमानन नियामक डीजीसीए (DGCA) पूरी तरह से मुस्तैद है। सुरक्षा और परिचालन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित

करने के लिए एयरलाइंस के साथ लगातार तालमेल बिठाया जा रहा है। प्रमुख हवाई अड्डों पर रूट डायवर्जन और यात्रियों की सुगमता के लिए विशेष अलर्ट जारी कर दिए गए हैं। विमानन मंत्रालय के अनुसार, टर्मिनलों पर भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों की हरसंभव सहायता के लिए सीनियर अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही, यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष (PACR) लगातार यात्रियों की समस्याओं पर पैनी नजर बनाए हुए है ताकि उनका त्वरित समाधान किया जा सके।

एयर इंडिया की लंदन से लेकर न्यूयॉर्क तक की उड़ानें ठप

इस भारी व्यवधान के बीच यात्रियों की शिकायतों का भी तेजी से निपटारा किया जा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, 'एयरसेवा' पर 28 फरवरी को दर्ज की गई 216 शिकायतों में से 105 का तुरंत समाधान कर प्रभावित यात्रियों को राहत दी गई। वहीं, टाटा ग्रुप की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया ने भी मिडल ईस्ट के तनाव को देखते हुए आज (1 मार्च) के लिए अपनी कई प्रमुख उड़ानों को रद्द कर दिया है। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, रद्द होने वाली इन फ्लाइट्स में दिल्ली से लंदन, न्यूयॉर्क, शिकागो, टोरंटो, फ्रैंकफर्ट और पेरिस जाने वाली अहम उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा मुंबई और अमृतसर से भी लंदन व न्यूयॉर्क जाने-आने वाली कई फ्लाइट्स आज उड़ान नहीं भर सकेंगी, जिससे हजारों यात्रियों का शेड्यूल बिगड़ गया है।

अमेरिका-इजरायल के ईरान पर बड़े सैन्य अभियान के बाद वैश्विक तेल कीमतों में उछाल की संभावना

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर शुरू किए गए बड़े सैन्य अभियान के बाद वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आने की संभावना है। इस संघर्ष से होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज) युद्ध क्षेत्र में आ सकता है, जिससे मध्य पूर्व देशों से कच्चे तेल के निर्यात में बाधा आ सकती है।

दुनिया की कुल तेल आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए भेजा जाता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। भारी मिसाइल हमलों और डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान की नौसेना को खत्म करना सैन्य अभियान का अहम उद्देश्य बताए जाने के बाद इस क्षेत्र से तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है।

विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और इजरायल के बड़े पैमाने पर समन्वित हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे में वार प्रीमियम के कारण तेल कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

शुक्रवार को कारोबार बंद होने तक तेल कीमतें 2 प्रतिशत बढ़कर बंद हुईं और ब्रेंट क्रूड 72.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के कारण हुई।

बार्कलेज बैंक ने कहा है कि अगर आपूर्ति में बड़ा व्यवधान होता है तो ब्रेंट क्रूड की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। हालांकि बैंक ने यह भी कहा कि तनाव बढ़ने का मतलब यह नहीं कि तुरंत आपूर्ति रुक जाएगी, लेकिन बाजार में जोखिम प्रीमियम जुड़ गया है।इस बीच, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में खाड़ी देशों से बाहर के देशों से तेल आयात बढ़ाकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत की है। अब बड़ी मात्रा में तेल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते नहीं आता।उन्होंने कहा कि देश की तेल विपणन कंपनियों (इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम) के पास कई हफ्तों का भंडार है और विभिन्न मार्गों से आपूर्ति जारी है।

होली से पहले लगा महंगाई की झटका, एलपीजी सिलेंडर हुआ महंगा; जानें कितनी बढ़ी कीमतें

नई दिल्ली (ए.)। देश की प्रमुख ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 28 से 31 रुपये तक की वृद्धि की गई है। नई दरें 1 मार्च से लागू हो गई हैं। हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1740.50 रुपये से बढ़कर 1768.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह कीमत 1844.50 रुपये से बढ़कर 1875.50 रुपये, मुंबई में 1692.00 रुपये से बढ़कर 1720.50 रुपये और चेन्नई में 1899.50 रुपये से बढ़कर 1929.00 रुपये हो गई है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के इस फैसले से देशभर के रेस्टोरेंट, होटल और ढाबा संचालकों पर लागत का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। होली का त्योहार नजदीक होने के कारण यह बढ़ोतरी कारोबारियों के लिए झटका मानी जा रही है। हालांकि, आम उपभोक्ताओं को घरेलू सिलेंडर पुरानी दरों पर ही उपलब्ध होगा।

14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 853.00 रुपये, कोलकाता में 879.00 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये और चेन्नई में 868.50 रुपये पर स्थिर है। इसके अलावा, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पीएनजी की खुदरा कीमत 48.59 रुपये प्रति एससीएम, नोएडा में 48.46 रुपये, गुरुग्राम में 47.40 रुपये, कानपुर में 49.95 रुपये और अजमेर में 50.27 रुपये प्रति एससीएम बनी हुई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मनुष्य की बुद्धि को चुनौती

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो यहां भी हम सेक्टर स्पेशिफिक एप्लीकेशन बनाते रह जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के उद्घाटन भाषण में वैसे तो कई बातें कहीं लेकिन पूरे भाषण का सार यह है कि इसे भय के तौर पर देखा जाए या भाग्य के तौर पर। उन्होंने कहा कि कुछ लोग एआई को भय के तौर पर देख रहे हैं लेकिन भारत इसे भाग्य के तौर पर देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि एआई ने पूरी दुनिया में अगर नई संभावनाओं के रास्ते खोले हैं तो भय भी पैदा किया है। भय इसलिए क्योंकि यह पहली संज्ञानात्मक क्रांति है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कृत्रिम बुद्धि मनुष्य की बुद्धि को चुनौती दे रही है। मनुष्य जो काम नहीं कर पाता था या जो काम करने में उसे घंटों या महीनों का समय लगता था वह काम अब एआई के जरिए चुटकियों में हो रहा है। इसलिए इसे सिर्फ नौकरी के लिए खतरे के तौर पर नहीं देखा जा सकता है। यह सभ्यता, संस्कृति और समस्य मानवीय मूल्यों के लिए चुनौती की तरह है।

जहां तक इस संज्ञानात्मक क्रांति में भारत की स्थिति की बात है तो उसकी एक झलक इसी एआई इम्पैक्ट समिट में दिखाई दी। पहले दिन जिस तरह की अव्यवस्था हुई उसे लेकर सोशल मीडिया में खूब तंज किए गए। कहा गया कि एआई समिट में ही एआई का इस्तेमाल नहीं किया गया। इसके बाद एक यूनिवर्सिटी की ओर से चीन के रोबोडॉग और कोरिया के ड्रोन को अपना बना कर पेश करने की घटना हुई, जिसने भारत की क्षमताओं पर गंभीर सवाल खड़े किए। यह सही है कि उसे प्रतिनिधि घटना के तौर पर नहीं पेश किया जा सकता है लेकिन इस घटना ने एआई के सेक्टर में भारत की तैयारियों और उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने के लिए बाध्य किया है। इस समिट में दुनिया भर के देशों के नेता या स्टार्टअप के फाउंडर्स या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की महाबली कंपनियों के प्रमुख भारत के बारे में क्या कहते हैं इससे कोई धारणा बनाने की जरुरत नहीं है। उनके लिए भारत एक बाजार है इसलिए वे बड़े बड़े निवेश के वादे कर रहे हैं या भारत की तारीफ कर रहे हैं। उनकी तारीफों के आधार पर भारत को अपना आकलन नहीं करना चाहिए। भारत को अपनी तैयारियों और उपलब्धियों का आकलन वस्तुनिष्ठ तरीके से करना चाहिए। भारत इसलिए एआई क्रांति में अग्रणी नहीं हो सकता है कि यहां ओपनएआई के प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के साढ़े 14 करोड़ यूजर्स हैं। भारत में तो फेसबुक के 45 करोड़ यूजर हैं लेकिन उससे भारत सोशल मीडिया क्रांति में अग्रणी नहीं हो गया है।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी तब होगा, जब उसका अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल होगा और उस पर आधारित प्लेटफॉर्म होंगे, जिनका इस्तेमाल भारत के लोगों के साथ साथ दुनिया के लोग भी करेंगे।

कहीं चिता की राख तो कहीं फूलों से खेली जाती है होली!

मनोज कुमार अग्रवाल

(होली /समसामयिक आलेख)

समूचे देश समेत विशेषकर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला होली पर्व आस्था विश्वास ऋतु परिवर्तन और सामाजिक एकता का लोकपर्व है। होली के दिन समूचा समाज सवर्ण असवर्ण गरीब अमीर सबल निर्बल राजा प्रजा ऊंच नीच के दायरे से बाहर आकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर सामाजिक समरसता व सौहार्द का सूत्रपात करता है यह लोकपर्व इतना सजीव व सामाजिक वैज्ञानिक आधार से जुड़ा है कि इस की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं हो सकती है। इस लोकपर्व के संबंध में प्रहलाद और होलिका की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है। पुराने समय में हिरण्यकश्यपु का पुत्र प्रहलाद विष्णु जी का परम भक्त था। ये बात हिरण्यकश्यपु को पसंद नहीं थी। इस वजह से वह प्रहलाद को मारना चाहता था। असुर राज हिरण्यकश्यपु ने बहुत कोशिश की, लेकिन प्रहलाद को मार नहीं सका। तब असुरराज की बहन होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई। होलिका को आग में न जलना का वरदान मिला हुआ था, लेकिन भगवान विष्णु जी की कृपा से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। तभी से सत्य और धर्म की जीत के रूप में होली दहन का पर्व मनाया जाता है।।युगों पहले जिस तरह भक्त प्रहलाद के सकुशल बच जाने पर लोगोंसत ने रंग गुलाल लगा कर खुशी मनाई थी आज भी उसी तरह खुशी मनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

होली के गीतों में वैसे भी गालियां पिरोई होती हैं. शब्दों का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया गया होता है कि लोग उसे सुन कर मस्ती करते हैं और उन्हें भीतर तक गुदगुदी होती है. वाराणसी, मिथिलांचल, कुमाऊं, राजस्थान, हरियाणा में होली पर गाली की अनोखी परंररा है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो रंगों की मस्ती के साथ-साथ गालियों और गुदगुदाते गीतों के लिए भी खूब जाना जाता है. इसीलिए इस त्योहार को सबसे अनूठा कहते हैं. साल भर लोगों को इसका इंतजार रहता है. लोग गालियों और गीतों के जरिए अपनी भड़ास निकालते हैं. जैसा प्रदेश, वैसे गीत और वैसी ही वहां की गालियां. बहुरंगी होली की ये छटा दुनिया भर में निराली है। काशी की परंपराएं इसलिए अनूठी हैं क्योंकि यहां होली पर गालियों का भी अपना एक अलग संस्कार देखने को मिलता है. दूसरे शहरों में गाली देने पर मार हो जाए, लेकिन यहां होली पर गालियां मनभावन लगती हैं।पंजाब में सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा शुरू की गई यह होलीवीर रस से भरी होती है। इसमें निहंग सिख पारंपरिक पोशाक पहनकर तलवारबाजी और घुड़सवारी (गतका) का प्रदर्शन करते हैं।

पश्चिमी बंगाल व ओडिशा में यहाँ होली को डोल जात्रा के रूप में मनाया जाता हैजिसमें राधा-कृष्ण की मूर्तियों को झूलों (डोल) पर रखकर जुलूस निकाला जाता है और रंगों से पूजा की जाती है।श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से करीब 50 किमी दूर बरसाना की होली बहुत खास होती है। बरसाना में कई दिनों तक लट्ठमार होली खेली जाती है। फाल्गुन पूर्णिमा से पहले ही लोग यहां होली खेलना शुरू कर देते हैं। पास के नंदगांव के पुरुष बरसाना आते हैं और बरसाना के पुरुष नंदगांव जाते हैं। इन गांवों की महिलाएं पुरुषों को लट्ठ मारती हैं और पुरुष ढाल से बचने की कोशिश करते हैं। ये होली देखने देश-विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं।

मान्यता है कि मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण ने राधा और गोपियों के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इन जगहों पर होली की अच्छी खासी धूम होती है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण के भक्त बड़ी संख्या में होली खेलने पहुंचते हैं। यहां के मंदिरों में फूलों से होली खेली जाती है।बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली अवर्णनीय है।

बरसाना के राधा रानी मंदिर में लड्डू मार होली खेली जाती हैजहाँ एक-दूसरे पर लड्डू फेंके जाते हैं और उन्हें प्रसाद के रूप में खाया जाता है।वाराणसी(काशी) के मणिकर्णिका घाट पर खेली जाने वाली होली विश्व प्रसिद्ध है। यहां शमशान की राख से होली खेली जाती है। मान्यता है कि शिव जी ने यहां अपने गणों के साथ चिता की राख से होली खेली थी। इसी मान्यता की वजह से आज भी शिव भक्त यहां मसाने की होली खेलते है। देश दुनिया में यह एकमात्र ऐसी होली है जिसमें चिता भस्म को रंग गुलाल की तरह इस्तेमाल करते हुए होली खेलते हैं।एक ऐसी भी होली है जहां जलती होली की लपटों के बीच पंडा नंगे पांव निकल जाता है लेकिन खरोंच तक नहीं आती है। मथुरा से करीब 50 किमी दूर एक गांव है फालैन। इसे प्रहलाद का गांव भी कहते हैं। फालैन गांव की होली की खास बात ये है कि यहां जलती हुई होली के बीच में से एक पंडा चलकर गुजरता है। होली ऊंची-ऊंची लपटों से निकलने के बाद भी पंडे का बाल तक नहीं जलता है। ये चमत्कार देखने के लिए देश-दुनिया से काफी लोग यहां पहुंचते हैं। उत्तराखंड में होली संगीत और गायन के साथ मनाई जाती हैजिसे बैठकी होली कहा जाता हैजहाँ शास्त्रीय और पारंपरिक गीतों का गायन होता है।केरल के कोंकणी और कुडुंबी समुदाय के लोग इस दिन रंगों के बजाय हल्दी (मंजल) मिले पानी का उपयोग करते हैंजो शुद्धिकरण का प्रतीक है महाराष्ट्र और गोवा में यहाँ होली को रंग पंचमी या शिग्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है जो बसंत पंचमी से शुरू होता है

कर्नाटक के हम्पी की होली भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। ये जगह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल है। इस जगह का संबंध त्रेतायुग की वानर सेना से है। मान्यता है कि सुग्रीव अपनी वानर सेना के साथ इसी क्षेत्र में रहते थे। यहां होली पर बड़ा आयोजन होता है। हजारों लोग यहां होली खेलने आते हैं।राजस्थान की होली उदयपुर और पुष्कर में आज भी शाही तौर तरीकों से होली खेली जाती है। इस मौके पर राजपुताना आन बान शान देखने को मिलती है।कई दूसरे एशियाई देशों में भी होली के प्रतिरूप रंगों का पर्व मनाया जाता है लेकिन भारतीय होली यकीनन आज भी अनूठी मस्ती से भरी है यह समाज को एक सूत्र में पिरो कर उमंग व उत्साह का संचार करती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

एक सुंदर, सघन और महत्वाकांक्षी फ़िल्म 'ओ' रोमियो'

पंकज दुबे

फ़िल्म पत्रकार-लेखक हुसैन ज़ैदी की किताब 'द माफ़िया क्वींस ऑफ़ मुंबई' से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले खुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। ज़ैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेज़ी सटीकता के साथ खोलती है।आज के 'सिने-सोहबत' में विशाल भारद्वाज की फ़िल्म 'ओ' रोमियो' पर विमर्श करते हैं। विशाल भारद्वाज जब भी सिनेमा बनाते हैं, वे कहानी नहीं, एक वातावरण रचते हैं। उनकी फ़िल्मों में हवा तक का रंग होता है और उस रंग में धूल, खून, प्रेम और पछतावे की परतें तैरती रहती हैं। 'ओ' रोमियो' इसी परंपरा का विस्तार है। एक ऐसी फ़िल्म जो माफ़िया की दुनिया को महज़ अपराध की कथा नहीं, बल्कि मनुष्यता की विडंबना के रूप में देखती है।यह फ़िल्म पत्रकार-लेखक हुसैन ज़ैदी की किताब 'द माफ़िया क्वींस ऑफ़ मुंबई' से प्रेरित है, जिसका स्क्रीनप्ले खुद विशाल भारद्वाज ने लिखा है। ज़ैदी की लेखनी जहां अपराध जगत की स्त्रियों की जटिल दुनिया को दस्तावेज़ी सटीकता के साथ खोलती है, वहीं विशाल भारद्वाज उसे सिनेमाई काव्य में रूपांतरित करते हैं। परिणामस्वरूप हमें एक ऐसा टेक्सचर मिलता है, जिसमें यथार्थ और रूपक एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं। सबसे पहले बात करते हैं फ़िल्म 'ओ' रोमियो' की कहानी की। फ़िल्म का केंद्र है, उस्तुरा, जिस किरदार को शाहिद कपूर ने बारीकियों से निभाया है। उस्तुरा एक सुपारी किलर है, जिसकी आंखों में स्थिरता है और चाल में एक अजीब-सी ठंडक। वह पेशे से कातिल है, लेकिन उसके भीतर एक घायल कवि भी छिपा है।कहानी का सूत्रपात तब होता है जब एक स्त्री उसके पास आती है, जिसका मक़सद है अपने पति की हत्या का बदला लेना। उसका पति गैंग में अकाउंटेंट था और अब आगे लम्बे समय तक गैंग में शामिल होने से मना कर देता है और मारा जाता है। वह चाहती है कि उस्तुरा उन सभी लोगों का सफ़ाया कर दे, जिन्होंने मिलकर नायिका के पति को मार डाला। यहीं से 'ओ' रोमियो' एक रिवेंज ड्रामा की शक्ल लेती है लेकिन यहीं वो पॉइंट है जो इस फ़िल्म की पहली समस्या भी है- 'इमोशनल डिस्कनेक्ट'।नायिका (तृप्ति डिमरी) के विवाह, उसके प्रेम और उसके पति की हत्या का जो भावनात्मक परिप्रेक्ष्य होना चाहिए था, वह घोर अपर्याप्त है। दर्शक उसके दर्द से जुड़ नहीं पाते क्योंकि पटकथा उसे पर्याप्त स्क्रीन-टाइम नहीं देती। उसकी त्रासदी का ताप दर्शकों तक पूरी तरह संप्रेषित हो ही नहीं नहीं पाता।यहां विशाल भारद्वाज की पोएट्री कहीं-कहीं पटकथा की कसावट पर भारी पड़ती दिखती है। शाहिद का उस्तुरा एक सधे हुए अभिनेता की परिपक्वता का उदाहरण है। उनके संवाद कम हैं, पर आंखों का संवाद मुखर है। वे अपने शरीर की भाषा से किरदार को जीवित करते हैं। हिंसा के दृश्यों में वे अतिरेक से बचते हैं और यही संयम उनके अभिनय को प्रभावी बनाता है।

नायिका (तृप्ति डिमरी) की भूमिका संभावनाशील थी, परंतु लेखन की कमी ने उसे सीमित कर दिया। उसके चरित्र में प्रतिशोध की ज्वाला है, पर उस ज्वाला की पृष्ठभूमि अधूरी है। स्पेन में बैठा खलनायक, जिसे अविनाश तिवारी ने निभाया है, अपने 'बुल फाइट' के शौक में अधिक दिखता है, पर उसके भीतर की वैचारिक या भावनात्मक प्रेरणा स्पष्ट नहीं होती। उसका मोटिव धुंधला है। वह क्यों इतना क्रूर है? उसकी महत्वाकांक्षा क्या है? उसकी निजी हानि या महत्वाकांक्षा का आयाम क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर फ़िल्म नहीं देती। परिणामस्वरूप वह एक प्रभावशाली दृश्य उपस्थिति तो बनता है, पर स्मरणीय खलनायक नहीं। एक वक़्त के बाद वह डरावना विलेन नहीं, बल्कि एक ड्रामा करता कैरीकेचर ही लगता है।

मेष राशि: आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को पढ़ाई करने की जरूरत है। कपड़े का व्यापार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा। कमर दर्द से जुड़ी परेशानी के लिए किसी अच्छे डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं, आपको समाधान का तरीका मिलेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ बूझ से किसी काम में सफलता हासिल होगी। गौ सेवा करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक समस्या से परेशान लोगों को राहत मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के लिए नई ज्वेलरी खरीद सकते हैं, जीवन में आनंद बढ़ेगा। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपका मन शांत व संतुष्ट रहेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं, जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा। आज आप किसी जरूरी मीटिंग में शामिल होंगे। पिता की सलाह से आपको अपने बिजनेस में काफी मदद मिलेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन शांत रहेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। सिविल इंजीनीयर्स के लिए दिन बेहतरीन रहेगा। स्वास्थ्य समस्या से परेशान लोग आज खुद को बेहतर महसूस करेंगे। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। दाम्पत्य रिश्ता मजबूत बनेगा, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे। आज कॉम्पटीटिव परीक्षा की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स पढ़ाई व काम के बीच संतुलन बनाकर रहेंगे तो जल्द ही आपको सफलता मिलेगी।

तुला राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आप नया हुनर सीखेंगे, जो आगे चलकर आपके लिए कारगर साबित होगा। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी।

वृश्चिक राशि:आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरुरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में प्रॉफिट होगा। फ्रेंड्स के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। आज काम करने से पहले अपने बड़ों का आशीर्वाद लेंगे। रिश्तों में चल रही अनबन से आज आपको छुटकारा मिलेगा। आज जीवनसाथी को सरप्राइज देने के लिए ज्वेलरी खरीदने जा सकते हैं।

धनु राशि: आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस में आज आपको सहयोगियों से मदद मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता पिता से मिल सकते हैं। सोशल वर्क कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लवमेट कहीं घूमने जा सकते हैं आपके रिश्ते की डोर और मजबूत बनेगी।

मकर राशि: आज का दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपके व्यापार में बेहतर सुधार आयेगा। पारिवारिक जीवन में हो रही अनबन आज समाप्त होगी, आपके परिवार में खुशियां बढ़ेगी। नर्सिंग कर रहे छात्रों को उनके करियर में सफलता मिलेगी। आज आपके नए दोस्त बनेंगे। आज कार्यक्षेत्र में मेहनत कर रहे लोग सफल होंगे।

कुम्भ राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।

मीन राशि: आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आमोद प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा। अर्थराईटिस की परेशानी से जुड़े लोगों को आज राहत मिलेगी। आज परिवार में सुख शांति का माहौल बना रहेगा। आज आपके मन में स्टोरी लिखने का विचार आ सकता है।

एक नयी शहरी रुपरेखाः शहरी चुनौती कोष भारत के शहरों को किस तरह दे सकता है नया रूप

श्रीनिवास कटिकिथला

भारत के शहरीकरण का सफर निर्णायक मोड़ पर है। आज देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरों का बड़ा योगदान है, ये देश के सबसे गतिशील आर्थिक केंद्रों का केंद्र हैं और लाखों लोगों के जीवन स्तर को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। फिर भी, ये शहर बुनियादी ढांचे की कमी, जलवायु परिवर्तन के खतरे, वित्तीय बाधाओं और संस्थागत बिखराव जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अब चुनौती यह नहीं है कि भारत का शहरीकरण होगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत का शहरीकरण प्रभावी, टिकाऊ और समावेशी तरीके से हो पाएगा।

हाल ही में स्वीकृत शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) इस प्रश्न के उत्तर देने के भारत के नज़रिए में एक अहम बदलाव का प्रतीक है। वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक 1 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता राशि और करीब 4 लाख करोड़ रुपये के कुल निवेश को प्रेरित करने की अपेक्षित योजना के साथ, यह कोष पारंपरिक अनुदान-आधारित वित्तपोषण से हटकर, शहरी ढ़ांचागत विकास के लिए बाजार-आधारित, सुधार-संचालित और परिणाम पर आधारित ढांचे की ओर बदलाव का प्रतीक है।

अनुदान से बाजार अनुशासन की ओर

शहरी चुनौती कोष की संरचना उसे पूर्व के कार्यक्रमों से अलग करती है। केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित है और शहरों को कम से कम 50 प्रतिशत राशि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण या सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे बाजार स्रोतों से जुटानी होगी। बाकी राशि राज्यों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य वित्तपोषण माध्यमों से आ सकती है।

यह आवश्यकता कार्यक्रम के मूल में वित्तीय अनुशासन को स्थापित करती है। यह संकेत देती है कि शहरी अवसंरचना अब केवल सार्वजनिक बजट पर निर्भर नहीं रह सकती, इसे राजस्व समर्थित परियोजनाओं के ज़रिए पूंजी बाजारों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनानी होगी। ऐसा करके, यह कोष ढ़ांचागत महत्वाकांक्षाओँ के साथ राजकोषीय संयम का तालमेल बिठाने की कोशिश करता है।

शहरी केंद्र की पुनर्कल्पना

यह कोष तीन विशिष्ट क्षेत्रों पर आधारित है, जो भारत के शहरी परिदृश्य की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं।

पहला क्षेत्र है विकास केंद्र के रूप में शहरों को देखना। इसके तहत यह माना जाता है कि शहरी क्षेत्र आर्थिक इंजन हैं। यह एकीकृत स्थानिक और पारगमन योजना, आर्थिक गलियारों के साथ अवसंरचना और औद्योगिक, पर्यटन या लॉजिस्टिक्स क्लस्टर जैसे मजबूत आर्थिक आधारों के विकास का समर्थन करता है। इसका मकसद केवल परिसंपत्तियों का निर्माण करना नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मकता और उत्पादकता को भी बढ़ाना है।

दूसरा क्षेत्र, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास, भारतीय शहरीकरण की एक लंबे समय से चली आ रही चुनौती, ऐतिहासिक केंद्रों और केंद्रीय व्यावसायिक जिलों में भीड़भाड़ और गिरावट - का समाधान करता है। ब्राउनफील्ड पुनर्जनन, पारगमन आधारित विकास और सार्वजनिक भूमि के पुनर्गठन को प्रोत्साहित करके, यह कोष मौजूदा शहरी क्षेत्रों के भीतर मूल्यों को उजागर करने का प्रयास करता है। यह भूमि मूल्य अधिग्रहण और संरचित पुनर्विकास मॉडल के तर्क को पेश करता है, जिससे शहर सांस्कृतिक और विरासत चरित्र को संरक्षित करते हुए कम उपयोग वाली संपत्तियों को नवीनीकरण के चालक में बदला जा सकता है।

तीसरा क्षेत्र जल और स्वच्छता पर केंद्रित है, जहां सेवा संतृप्ति, अपशिष्ट जल पुनः उपयोग, बाढ़ शमन और विरासत अपशिष्ट स्थलों के उपचार पर जोर दिया जाता है। इस ढांचे में जलवायु में बदलाव समाहित है, यह मानते हुए कि चरम मौसम की घटनाएं और पर्यावरणीय तनाव शहरी भेद्यता को नया रूप दे रहे हैं।

छोटे शहरों को वित्तीय मुख्यधारा में लाना

शहरी चुनौती कोष के सबसे नवोन्मेषी तत्वों में से एक 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना है। पहली बार, छोटे शहरी स्थानीय निकायों, खास तौर पर एक लाख से कम आबादी वाले, साथ ही पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के शहरों, को संरचित केंद्रीय गारंटी के साथ बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा रहा है।

प्रारंभिक उधार को जोखिममुक्त करके, यह योजना छोटी नगरपालिकाओं के लिए प्रवेश संबंधी बाधाओं को कम करती है और ऋणदाताओं को विश्वास दिलाती है। ऐसा करके, यह शहरी स्थानीय निकायों को अंतर-सरकारी हस्तांतरणों पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय, पूंजी बाजारों का लाभ उठाने में सक्षम विश्वसनीय वित्तीय संस्थाओं के रूप में दोबारा स्थापित करना शुरू करती है।

सुधार ही आधार

यूसीएफ के तहत केंद्रीय सहायता प्राप्त करना शासन, वित्तीय और नियोजन सुधारों पर निर्भर है। शहरों से अपेक्षा की जाती है कि वे साख में सुधार करें, परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणालियों को मज़बूत करें, सेवा वितरण को डिजिटल बनाएं, परिचालन दक्षता बढ़ाएं और एकीकृत भूमि उपयोग तथा गतिशीलता नियोजन ढांचे अपनाएं।वित्तपोषण लक्ष्यों और मापने योग्य नतीजों से जुड़ा है और लगातार सुधार बाद के संवितरणों के लिए एक पूर्व शर्त है। यह दृष्टिकोण यह दिशा में प्रयास करता है कि अवसंरचना निर्माण के साथ-साथ संस्थागत सुदृढ़ीकरण भी हो, जिससे कमजोर रखरखाव या कुप्रबंधन के कारण परिसंपत्तियों के क्षय का जोखिम कम हो।शहरी चुनौती कोष शहरी विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को भी पुनर्परिभाषित करता है।

महाराष्ट्र के नागपुर में बड़ा हादसा, विस्फोटक कारखाने में हुआ ब्लास्ट; 15 की मौत-कई घायल

नागपुर (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को भयानक हादसा हो गया। नागपुर जिले के कटोल तहसील में एक विस्फोटक कारखाने में हुए धमाके में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने बताया कि विस्फोटक कारखाने में हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए हैं।

जानकारी के मुताबिक कि यह विस्फोट कटोल तहसील के राउलगांव में खनन और औद्योगिक विस्फोटक बनाने वाली कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के कारखाने में हुआ। घटना कंपनी की डेटोनेटर पैकिंग यूनिट में सुबह 7 बजे से 7.15 बजे के बीच हुई।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट के तुरंत बाद घायलों को नागपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी, नागपुर ग्रामीण ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुए विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान जारी है और वे जल्द ही एक बयान जारी करेंगे।

अविनाश राय खन्ना के नाम दर्ज हुई बड़ी उपलब्धि, 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' सम्मान मिलने पर राज्यपाल ने दी बधाई

होशियारपुर (आरएनएस)। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा सम्मानित करने पर पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने खन्ना को बधाई दी है।

गौरतलब है कि पूर्व सांसद खन्ना द्वारा अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत से ही खन्ना जनहित के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर करते आये हैं। अपने प्रारंभिक राजनीतिक कार्यकाल से ही खन्ना ने जनसेवा को प्राथमिकता दी है। जनहित के मुद्दों को खन्ना ने सदैव अपने स्तर पर उठाया और बिना किसी देरी के पहल करते हुए जनसमस्याओं का सरकारी तंत्र द्वारा और अपनी व्यक्तिगत कोशिशों से निवारण किया। खन्ना की इस समाज उद्धारक सोच और बेजोड़ समाज हितैषी कार्यों के चलते वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने उनको अवार्ड से नवाज़ा है। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने खन्ना को बधाई देते हुए उनके द्वारा किये जा रहे बेहतरीन समाज उद्धारक कार्यों की सराहना की।

श्रीनगर समेत कई शहरों में खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन, ट्रैफिक डायवर्ट

श्रीनगर(आरएनएस)। अमेरिका और इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर सामने आते ही हड़कंप मच गया। इसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में लोग सड़कों पर उतर आए और अमेरिका व इजरायल के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर ने लोगों में गुस्से और रोष की लहर पैदा कर दी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर और बडगाम समेत कई शहरों में लोग नारे लगाते हुए मार्च कर रहे हैं, जिस वजह से शहरों की कई मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक बाधित हो गया। स्थिति को काबू में करने के लिए अधिकारियों ने कुछ जगहों पर वाहनों का रास्ता बदल दिया। श्रीनगर में भी रविवार को विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। स्थानीय लोग खामेनेई की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं और अमेरिका व इजरायल विरोधी नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ने के कारण शहर के कई हिस्सों में पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। हालांकि, प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है लेकिन किसी भी तरह की अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कार्रवाई पूरे हफ्ते या जरूरत पड़ने तक जारी रहेगी। ट्रंप ने खामेनेई को इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक बताते हुए कहा कि उनकी मौत ईरान की जनता के लिए न्याय है। यह उन सभी अमेरिकी नागरिकों और दुनिया के कई अन्य देशों के लोगों के लिए भी न्याय है जो खामेनेई और उनके साथियों के कारण मारे गए या घायल हुए।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद ईरान की सरकारी मीडिया ने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि की है। हालांकि इस खबर ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विरोध और चिंता दोनों पैदा कर दी है।

साणंद आज विकास और नवाचार का जीवंत केंद्र : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद दौरे के बाद यहां के लोगों की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि साणंद विकास और नवाचार का जीवंत केंद्र बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रोड शो का एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने शनिवार को गुजरात दौरे के बीच साणंद में रोड शो किया था। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, साणंद ने पिछले कई सालों में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। पहले इसे कुछ लोग एक साधारण जगह मानते थे, लेकिन आज यह विकास और नवाचार का एक जीवंत केंद्र बन चुका है। शनिवार का रोड शो, जो एक गर्म दोपहर में हुआ, यह दिखाता है कि साणंद के लोग विकास की दिशा में किए गए प्रयासों को कितनी सराहना करते हैं।

इससे पहले, शनिवार को पीएम मोदी ने साणंद में माइक्रोन एटीएमपी (असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग) केंद्र का उद्घाटन किया। वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत का प्रतीक यह ऐतिहासिक आयोजन, वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व की ओर भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस परियोजना का शिलान्यास सितंबर 2023 में हुआ था और यह इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत स्वीकृत होने वाला पहला प्रस्ताव था। इसे 22,500 करोड़ रुपए से अधिक के कुल परिव्यय के साथ, निर्माण कार्य स्वीकृति के तुरंत बाद शुरू किया गया। इससे देश में रणनीतिक सेमीकंडक्टर निवेश को गति देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

साणंद संयंत्र पूरी तरह से चालू हो जाने पर लगभग 5 लाख वर्ग फुट का क्लीनरूम क्षेत्र उपलब्ध होगा और यहां दुनिया के सबसे बड़े रेज़्ड-फ्लोर क्लीनरूम में से एक बन जाएगा। यह संयंत्र दुनिया भर के ग्राहकों

की सेवा करने और एआई और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग में तेजी से हो रही प्रगति के कारण मेमोरी और स्टोरेज समाधानों की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साणंद में हम एक नए भविष्य की शुरुआत देख रहे हैं। माइक्रोन के एटीएमपी केंद्र में वाणिज्यिक उत्पादन की शुरुआत वैश्विक प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका को मजबूत करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने नए भारत की मानसिकता उल्लेख किया, जहां नीति से उत्पादन की ओर परिवर्तन अभूतपूर्व गति से हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने जटिल नियामक प्रक्रियाओं को काफी हद तक सरल बना दिया है और कुछ ही महीनों में अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौतों (एपीए) को सफलतापूर्वक मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों में भी इस प्रक्रिया को पूरा होने में आमतौर पर तीन से पांच वर्ष लग जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब इरादा स्पष्ट होता है और राष्ट के तीव्र विकास के प्रति समर्पण होता है, तो नीतियां पारदर्शी हो जाती हैं और निर्णय गति पकड़ते हैं।

बांसवाड़ा-उदयपुर हाईवे पर चलती बस बनी आग का गोला : धू-धू कर जली स्लीपर कोच, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

सलूंबर/उदयपुर , (आरएनएस)। सलूंबर जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांसवाड़ा-उदयपुर मार्ग पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। यहाँ एक चलती स्लीपर कोच बस अचानक आग की लपटों में घिर गई। देखते ही देखते पूरी बस कोयला बन गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी 5 यात्री, ड्राइवर और क्लीनर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। इंजन से निकला धुआँ और देखते ही देखते मची चीख-पुकार यह घटना सुबह करीब 6:00 बजे गरडा गांव के पास हुई। आशापुरा ट्रैवल्स की मुल्तानी सोना बस बांसवाड़ा से उदयपुर की ओर जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस अपनी रफ्तार में थी तभी अचानक इंजन वाले हिस्से से गहरा काला धुआँ निकलने लगा। खतरे को भांपते हुए ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोका और शोर मचाकर यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा।जैसे ही यात्री नीचे उतरे, आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही मिनटों में बस का सिर्फ लोहे का ढांचा शेष बचा।शुरुआती जांच में हादसे का कारण बस के इंजन में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि स्थानीय संसाधनों से उसे बुझाना नामुमकिन था।जाम की स्थिति: हादसे के चलते हाईवे पर करीब 2 घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। पुलिस की कार्रवाई: झल्लारा थाना अधिकारी जय किशन फुलवारिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा के लिहाज से ट्रैफिक रुकवाया।दमकल की मदद: सलूंबर से बुलाई गई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।जलती हुई बस और उससे उठते धुएं के गुबार के कारण पुलिस ने दोनों तरफ के वाहनों को दूर ही रोक दिया था। इसके चलते हाईवे के दोनों छोरों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

सीकर : ईडी के नाम पर 13 लाख रुपए की रिश्वत लेते अयोध्या का ठग गिरफ्तार, एसीबी राजस्थान की बड़ी कार्रवाई

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की स्पेशल यूनिट-द्वितीय, जयपुर ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सीकर में प्रवर्तन निदेशालय (ED) के नाम पर वसूली करने वाले एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तम पाण्डेय, जो उत्तर प्रदेश के अयोध्या का निवासी है, उसे परिवादी से 13 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए होटल अशोका (कल्याण सर्किल) के पास से दबोचा गया। ACB महानिदेशक गोविंद गुप्ता के अनुसार, परिवादी ने 30 दिसंबर 2025 को जयपुर मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी के साथ वर्ष 2022 में QFX Pvt. Ltd. नामक कंपनी में निवेश के दौरान धोखाधड़ी हुई थी। आरोपी उत्तम पाण्डेय ने खुद को श्रष्ठ चंडीगढ़ के सहायक निदेशक कार्यालय का अधिकारी बताते हुए परिवादी से संपर्क किया। उसने झांसा दिया कि वह इस धोखाधड़ी के मामले से परिवादी का नाम हटवा देगा और उसे राहत दिलाएगा। 20 लाख से शुरू हुई थी डीलजांच में सामने आया कि आरोपी ने शुरुआत में राहत दिलाने के बदले 20 लाख रुपये की मांग की थी। लंबी सौदेबाजी के बाद सौदा 13 लाख रुपये पर तय हुआ। शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मदुरै के तिरुप्परनकुंद्रम में अरुलमिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की.

होलिका दहन की आग भूलकर भी न देखें ये लोग, वरना जिंदगी भर भुगतना पड़ेगा भारी नुकसान!

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। हिंदू धर्म में बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक होलिका दहन को बेहद पवित्र माना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हर किसी के लिए इस धधकती आग को देखना शुभ नहीं होता है? आगामी 3 मार्च 2026 को होने वाले होलिका दहन को लेकर शास्त्रों में कड़ी चेतावनी दी गई है। मान्यताओं के अनुसार, जब होलिका की अग्नि जलती है तो आसपास के वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहद तेज हो जाता है। अगर कुछ विशेष परिस्थितियों वाले लोग इस अग्नि के संपर्क में आते हैं, तो उनके जीवन में भयंकर शारीरिक और मानसिक परेशानियां दस्तक दे सकती हैं। आइए जानते हैं किन लोगों को इस दहन स्थल से कोसों दूर रहना चाहिए।

नई नवेली दुल्हनों के लिए क्यों माना जाता है इसे सबसे बड़ा अपशकुन?

शास्त्रों के जानकारों की मानें तो जिन महिलाओं की हाल ही में शादी हुई है और यह उनके ससुराल में पहली होली है, उन्हें भूलकर भी होलिका

दहन की आग नहीं देखनी चाहिए। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि होलिका की आग को जलते हुए शरीर का प्रतीक माना जाता है, जो एक नई दुल्हन के सुखी वैवाहिक जीवन के लिए घोर अशुभ है। होलिका दहन पुराने साल और बुराइयों की विदाई है, जबकि नवविवाहिता का जीवन एक नई और शुभ शुरुआत का प्रतीक है। इन दोनों विपरीत ऊर्जाओं के टकराने से वैवाहिक जीवन में भारी कलह और दरार पैदा होने का खतरा रहता है। ऐसे में नई जोड़ियों को घर के अंदर ही रहना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं और मासूम बच्चों पर पड़ता है सीधा नकारात्मक असर

गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को भी होलिका दहन की आग और उसके खतरनाक धुएं से पूरी तरह दूर रहने की सख्त हिदायत दी जाती है। दहन के समय वातावरण में ऊर्जा का भयानक उतार-चढ़ाव होता है। होलिका की आग की उग्रता और वहां मौजूद नकारात्मक शक्तियां गर्भ में पल रहे शिशु के कोमल स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर डाल सकती हैं। इसी तरह छोटे बच्चों का मन और उनकी ऊर्जा बहुत संवेदनशील होती है, जिससे वे आसानी से बुरी शक्तियों की चपेट में आ सकते हैं। मां और बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें दहन स्थल पर बिल्कुल नहीं ले जाना चाहिए।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और बिजली मंत्री मनोहर लाल नई दिल्ली में ब्यूरो ऑफ़ एनर्जी एफिशिएंसी के 25वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

बांसवाड़ा : बोर्ड परीक्षा देने जा रही छात्रा की रास्ते में मौत, सहेलियों के सामने अचानक गिरी; हार्ट अटैक की आशंका

बांसवाड़ा (आरएनएस)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ शनिवार सुबह 12वीं बोर्ड की परीक्षा देने जा रही एक छात्रा की संदिग्ध हार्ट अटैक से मौत हो गई। छात्रा अपनी सहेलियों के साथ हंसी-खुशी स्कूल की ओर बढ़ रही थी, तभी रास्ते में अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ी और फिर कभी नहीं उठी। परीक्षा केंद्र पहुंचने से पहले ही थम गई सांसें मृतक छात्रा की पहचान पूजा कुमारी मीणा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से प्रतापगढ़ जिले के अरनोद की निवासी थी। पूजा पिछले दो वर्षों से सागवा स्थित सरकारी बालिका छात्रावास में रहकर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे वह अपनी सहेलियों के साथ कृषि विज्ञान (Agriculture Science) का पेपर देने के लिए हॉस्टल से स्कूल की ओर निकली थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रास्ते में पूजा अचानक लड़खड़ाई और बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। उसे गिरता देख उसकी सहेलियां और पास मौजूद ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़े।

अस्पताल में डॉक्टरों ने घोषित किया मृत

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय सरपंच, जिला परिषद सदस्य नरसिंह निनामा और हॉस्टल वार्डन प्रियंका चरपोटा मौके पर पहुंचे। छात्रा को तुरंत एक निजी वाहन से सज्जनगढ़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। छात्रा के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। प्रतापगढ़ से उनके आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा, जिससे मौत के सटीक कारणों का पता चल सके।

राजस्थान में समय से पहले गर्मी का सितम , होली-धुलंडी पर और चढ़ेगा पारा, मार्च में हीटवेव का अलर्ट

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में इस बार होली के रंगों के साथ गर्मी के तीखे तेवर भी देखने को मिलेंगे। प्रदेश में समय से पहले ही सूरज की तपिश ने लोगों के पसीने छुड़ाने शुरू कर दिए हैं। शनिवार को राज्य के कई शहरों में पारा 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जिसने आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के संकेत दे दिए हैं। बाड़मेर और फतेहपुर में सबसे ज्यादा तपिश पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में आसमान साफ रहा और तेज धूप खिली रही।

फतेहपुर (सीकर): यहाँ अधिकतम तापमान 35.3 C दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक रहा।

बाड़मेर : यहाँ भी तापमान 35 C पर पहुँच गया।

असामान्य बढ़ोतरी : श्रीगंगानगर, पिलानी और बीकानेर जैसे शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया गया है, जो चिंता का विषय है।

होली और धुलंडी पर रहेगा हॉट माहौल

मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर के अनुसार अगले दो दिनों तक मौसम में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। हालांकि, होली और धुलंडी (अगले सप्ताह) के आसपास तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने की संभावना है। यानी त्योहार के दौरान तेज गर्मी और उमस लोगों को परेशान

कर सकती है।

रातों में भी खत्म हुई गुलाबी ठंड

गर्मी का असर अब केवल दिन तक सीमित नहीं है। राजधानी जयपुर, बाड़मेर और फलोदी में न्यूनतम तापमान 20 C से ऊपर दर्ज किया गया है। फलोदी में रात का तापमान 21.2 C रहा, जिससे अब रात के समय भी हल्की गर्मी महसूस होने लगी है।

मार्च के तीसरे सप्ताह से हीटवेव का अलर्ट

मौसम विभाग ने मार्च महीने के लिए डराने वाला पूर्वानुमान जारी किया है

पहला सप्ताह: अधिकांश शहरों का तापमान 31 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। तीसरा सप्ताह: मार्च के तीसरे हफ्ते से राजस्थान के कई जिलों में हीटवेव (लू) का दौर शुरू हो सकता है।सीकर व आसपास: अगले 3-4 दिनों तक मौसम पूरी तरह शुष्क (Dry) रहेगा, जिससे धूप का असर और तीखा होगा।सावधानी की सलाह: अचानक बढ़ी इस गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। होली के दौरान बाहर निकलते समय पर्याप्त पानी पिएं और सूती कपड़ों का प्रयोग करें।

एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती; फिल्म द केरल स्टोरी 2 पर बोलीं मीरा चोपड़ा

फिल्म द केरल स्टोरी 2 कल शुक्रवार को रिलीज हो गई है। एक तरफ इस फिल्म को लेकर विवाद है। कुछ लोग इसे प्रोपोगेंडा फिल्म कहकर आलोचना कर रहे हैं। मगर, वहीं, फिल्म जब थिएटर्स में लग गई है तो इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही हैं। साउथ की चर्चित अभिनेत्री मीरा चोपड़ा ने इस फिल्म को देखने के बाद अपने विचार साझा किए हैं।

मीरा चोपड़ा ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म द केरल स्टोरी 2 को जरूर देखे जानी वाली फिल्म बताया है। वे लिखती हैं, फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह भारत के लिए एक वेक-अप सायरन है। एक हिंदू महिला होने के नाते, युवा लड़कियों को ग्रूम करने, जबर्दस्ती करने और सोच के आधार पर टारगेट करने को देखकर मुझे गुस्सा आता है। सिस्टमैटिक तरीके से उन्हें सिखाने और शोषण करने का तरीका डरावना है।

मीरा चोपड़ा ने आगे लिखा है, एक लड़की होने के नाते, मैं चुप नहीं रह सकती। महिलाओं की सुरक्षा प्रोपेगैंडा नहीं है। यह देशभक्ति है। अगर हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, तो हमारा देश सुरक्षित नहीं है। हमारी महिलाओं की रक्षा करें। हमारी सभ्यता की रक्षा करें। उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह और प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह को टैग करते हुए लिखा है, आपने इस फिल्म को बनाने में जो हिम्मत दिखाई है, उसके लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। मैं हर परिवार, हर बेटी और हर भाई से गुजारिश करूंगी कि वे यह फिल्म जरूर देखें।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म राणाबली की पहली झलक जारी

मेकर्स ने वीडी14 की एक रोमांचक झलक दिखाई है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं और इसे राहुल सांकृत्यान डायरेक्ट कर रहे हैं, जो प्रतिष्ठित बैनर मैत्री मूवी मेकर्स के तहत बन रही है। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल के साथ-साथ रिलीज़ डेट की भी घोषणा की। रणबाली 11 सितंबर, 2026 को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है।

कर्स्ड लैंड और उसके लेजेंडरी हीरो को पेश करने से पहले, मेकर्स ने ज़बरदस्त विजुअल्स और एक पावरफुल कहानी के ज़रिए भारत पर ब्रिटिश शासन को दिखाया है। राहुल सांकृत्यायन की नरेशन ब्रिटिश लोगों द्वारा किए गए अत्याचारों पर रोशनी डालती है, खासकर उन इलाकों में जिन्हें सर रिचर्ड टेम्पल जैसे अधिकारियों के तहत जानबूझकर सूखे वाले इलाके में बदल दिया गया था।

यह झलक हिटलर के होलोकॉस्ट से भी बड़े नरसंहार और भारत के बड़े पैमाने पर आर्थिक शोषण के बारे में बात करती है, ये खुलासे दर्शकों के दिलों को छूने वाले हैं। विजय देवरकोंडा ने रनाबाली का किरदार निभाया है, एक नए लुक और शानदार ट्रांसफॉर्मेशन के साथ एक दमदार और प्रभावशाली मौजूदगी पेश की है।

रश्मिका मंदाना ने जयम्मा का किरदार निभाया है। अर्नोल्ड वोस्लू, जो द ममी के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने विलेन सर थियोडोर हेक्टर का किरदार निभाया है। एक खास पल जिसमें विजय एक ब्रिटिश अधिकारी को रेलवे ट्रैक पर घसीटते हुए घोड़े पर सवार दिख रहे हैं, उसने फिल्म की चर्चा को काफी बढ़ा दिया है।

राणाबली को नवीन यरनेनी और वाई. रवि शंकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और टी-सीरीज़ फिल्म को पेश कर रही है। यह फिल्म ब्रिटिश-युग की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे एक पीरियड एक्शन ड्रामा के तौर पर बनाया जाएगा। 19वीं सदी में सेट यह फिल्म 1854 और 1878 के बीच हुई असली ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है, और इसे एक बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर बनाया जा रहा है।

रनाबाली 1850 के दशक की असली घटनाओं से प्रेरित है जिन्हें मुख्यधारा की इतिहास की किताबों में जगह नहीं मिली। 1850-1900 के समय की असली घटनाओं पर आधारित, ऐसी घटनाएँ जिन्हें ब्रिटिश लोगों ने इतिहास में जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया और ऐसे किरदार जिन्हें उन्होंने जंगली और विद्रोही बताया। यह कोई बायोपिक नहीं है, और न ही किसी टेक्स्टबुक की कहानी है। राणाबली एक युग का सिनेमाई पुनर्निर्माण है जो कई असली कहानियों, मौखिक इतिहास और दबाए गए रिकॉर्ड से बनाया गया है।

डियर कॉमरेड और खुशी जैसी सफल फिल्मों के बाद, यह विजय देवरकोंडा और मैत्री मूवी मेकर्स के बीच तीसरा कोलैबोरेशन है। सुपर हिट टैक्सीवाला के बाद, विजय देवरकोंडा और राहुल सांकृत्यायन एक बार फिर इस फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं।

गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद, राणाबली तीसरी फिल्म होगी जिसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा एक साथ जोड़ी के रूप में नज़र आएंगे।

'चरक' का ट्रेलर हुआ रिलीज, गांव में होने वाले अंधविश्वास और तांत्रिक क्रियाओं से डराती है फिल्म

द केरल स्टोरी फेम निर्देशक सुदीप्तो सेन की आगामी फिल्म 'चरक- फेयर ऑफ फेथ' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में भारत के ग्रामीण इलाकों में फैले अंधविश्वास, रूढ़िवादिता और तंत्र-मंत्र से जुड़े कई सवाल उठाए गए हैं। जानते हैं कैसा है 'चरक' का ट्रेलर और क्या है इसमें कुछ खास?ट्रेलर के शुरुआत में दिखाया गया है कि गांव से बच्चे गायब हो रहे हैं। इसके बाद उनके माता-पिता पुलिस के पास इसकी शिकायत दर्ज करवाने पहुंचते हैं। धीरे-धीरे आगे दिखाई देता है कि अघोरी बाबा, साथ ही कुछ लोग तंत्र-मंत्र से जुड़े होते हैं। आगे दिखाया गया है कि चरक मेले में लोग अंधविश्वास से जुड़े होते हैं तांत्रिक क्रिया करते हैं। लेकिन इस बीच सवाल यही खड़ा होता है कि बच्चे कहां गायब हो रहे हैं और वो कैस मिलेंगे।चरक भारतीय तांत्रिक जगत के रहस्यमय और अनसुलझे पहलुओं को तलाशने की कोशिश करती है। इसमें मनोवैज्ञानिक रूप से गहराई से जुड़े किरदारों को एक विचलित कर देने वाले ट्रेडिनशन के साथ मिलाया गया है।

बॉक्स ऑफिस पर फिर चमकी 'ओ रोमियो', 15वें दिन भी की करोड़ों में की कमाई, अस्सी का हाल बेहाल

विशाल भारद्वाज निर्देशित 'ओ रोमियो' में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी देखन को मिली साथ ही इसमें कई और स्टार्स भी नजर आए. इस फ़िल्म को रिलीज़ होने पर मिले-जुले रिव्यू मिले. वहीं उम्मीद थी की शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की मिली-जुली स्टार पावर और डायरेक्टर की ट्रेडमार्क एटमॉस्फेरिक कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहेगी. हालांकि ऐसा नहीं हुआ और इस फिल्म का दो हफ्ते का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा. अब ये रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. ऐसे में चलिए यहां जानते है इस फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है?'ओ रोमियो' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए दो हफ्ते पूरे हो गए हैं. इस दौरान इस फिल्म की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस खास नहीं रही है. हालांकि इसने 60 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं अब ये रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री कर गई है और कोई नए कंप्टीशन के ना होने के बावजूद भी 15वें दिन इसने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया है.वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'ओ रोमियो' ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे 1.15 करोड़ का कलेक्शन किया है.इसी के साथ इस फिल्म की 15 दिनों की कुल कमाई अब 62.60 करोड़ रुपये हो गई है.काफी विवादों के बाद शुक्रवार को फिल्म द केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कलेक्शन मिलाजुला रहा। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 3.50 करोड़ रुपये से खाता खोला। फिल्म का पहला पार्ट 'द केरल स्टोरी' साल 2023 में रिलीज हुआ था। इसने पहले दिन 8.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। द केरल स्टोरी 2 पहले पार्ट का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई है। द केरल स्टोरी 2 के निर्देशक कामाख्या नारायण हैं।

जोया अफरोज ने दिया बड़ा बयान, एक्टर्स के काम को लेकर कहा- 'सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होताउ'

जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट 'हम साथ साथ हैं' और 'मन' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज 'कोरा कागज' और 'सोन परी' में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई।कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछे छोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था।जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए।जोया के मुताबिक, 'आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते।'वह मानती हैं कि शोहरत का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन लगातार अच्छा काम ही एक कलाकार को लंबे समय तक टिकाए रखता है। जोया अपनी आने वाली फिल्म 'ये दिल सुन रहा है' को अपने करियर का अहम पड़ाव मानती हैं। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके अंदर के संवेदनशील और भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।जोया आखिरी बार तस्करी वेब सीरीज में नजर आई थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी हैं, जो ईमानदार कस्टम अधिकारी की भूमिका में हैं जबकि शरद केलकर विलेन के रूप में हैं।

बैंगन से बनाकर खाएं ये 5 स्वादिष्ट व्यंजन, घर में सभी को आएंगे पसंद

बैंगन एक ऐसी सब्जी है, जिसे ज्यादातर लोग पसंद करते हैं। आमतौर पर भारतीय खान-पान में इसे सब्जी के रूप में ही पकाया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इससे कई अनोखे और स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं? इस लेख में हम आपको बैंगन से बनाए जाने वाले कुछ अनोखे व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। इन व्यंजनों का स्वाद आपके खाने के अनुभव को खास बना देगा।

बैंगन का भरता

बैंगन का भरता एक बेहद लोकप्रिय और स्वादिष्ट व्यंजन है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को अच्छे से भून लें, फिर उसे छीलकर मसल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले डालकर भूनें। इसके बाद इसमें मैश किया हुआ बैंगन मिलाएं और कुछ देर तक पकने दें। अंत में हरे धनिये से सजाकर इसे रोटी या पराठे के साथ खाएं।

बैंगनी चावल

बैंगनी चावल एक अनोखा और स्वादिष्ट व्यंजन है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चावल को पकाकर अलग रख लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, हल्दी पाउडर और धनिया पाउडर डालें। अब इसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाकर भूनें। इसके बाद इसमें मैश किया हुआ बैंगन मिलाएं और थोड़ी देर पकने दें। अंत में पके हुए चावल मिलाकर खाएं।

बैंगन के पकोड़े

बैंगन के पकोड़े एक बेहतरीन नाश्ता है, जिसे आप चाय के साथ आनंद लेकर खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बेसन में नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और अजवाइन मिलाकर घोल तैयार करें। अब बैंगन को पतले-पतले टुकड़ों में काट लें। फिर इन टुकड़ों को बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में तलें, जब तक कि वे सुनहरे भूरे न हो जाएं। इन्हें गर्मा-गर्म चाय और चटनी के साथ परोसें।

बैंगनी करी

बैंगनी करी एक खास तरह की करी है, जिसे नारियल के दूध से बनाया जाता है। इसके लिए सबसे पहले नारियल का दूध गर्म करें। अब एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर भूनें। इसमें बारीक कटे हुए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और मसाले मिलाएं। इसके बाद इसमें टुकड़ों में कटे हुए बैंगन मिलाएं और नारियल का दूध डालकर पकने दें। इसे रोटी या चावल के साथ खाएं।

बैंगनी टिक्का

बैंगनी टिक्का एक बेहतरीन स्टार्टर है, जिसे आप पार्टी या खास अवसरों पर बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दही में नमक, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला और अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाकर मसाला तैयार करें। अब इस मसाले में बड़े-बड़े टुकड़ों में कटे हुए बैंगन डालकर कुछ घंटे ठंडे स्थान पर रखें, ताकि वे अच्छे से मसालों से मिल जाएं। फिर इन्हें सींक पर लगाकर सेंक लें या तवे पर सेंक लें।

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा ज्यादा फायदा

प्रोटीन पाउडर का सेवन मांसपेशियों के विकास और समग्र सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि, बाजार में कई तरह के प्रोटीन पाउडर उपलब्ध हैं, जिनमें से किसी एक को चुनना मुश्किल हो सकता है। इसलिए आज हम आपको प्रोटीन पाउडर खरीदते समय ध्यान रखने वाली बातें बताने जा रहे हैं ताकि आपको सही प्रोटीन पाउडर मिल सके और आपको इसका अधिकतम लाभ मिल सके। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

प्रोटीन का स्रोत देखें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय सबसे पहले उसके स्रोत पर ध्यान दें। यह दूध, सोया, मटर या चावल से बनाया जा सकता है। दूध से प्राप्त प्रोटीन पाउडर मांसपेशियों के विकास में मदद कर सकते हैं। सोया प्रोटीन पाउडर शाकाहारी लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। मटर और चावल प्रोटीन पाउडर भी शाकाहारी होते हैं, लेकिन यह दूध से बने प्रोटीन की तरह असरदार नहीं होते।

शुद्धता का ध्यान रखें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय उसकी शुद्धता पर ध्यान देना जरूरी है। कुछ प्रोटीन पाउडर में मिलावटी तत्व हो सकते हैं, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए हमेशा एक अच्छी गुणवत्ता वाले ब्रांड का चयन करें, जो शुद्ध और प्राकृतिक सामग्री से बना हो। इसके अलावा प्रोटीन पाउडर में किसी भी प्रकार के अप्राकृतिक स्वाद, रंग या अन्य चीजें नहीं होने चाहिए। इससे आप एक सुरक्षित और असरदार प्रोटीन पाउडर का चयन कर सकते हैं।

ब्रांड की विश्वसनीयता जांचें

प्रोटीन पाउडर खरीदते समय ब्रांड की विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान दें। अच्छे ब्रांड अपने उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसलिए हमेशा एक प्रसिद्ध और भरोसेमंद ब्रांड का चयन करें, जो अपने ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करता हो। इसके अलावा ब्रांड के बारे में ऑनलाइन रिव्यू पढ़ें ताकि आपको उसके उत्पादों की सही जानकारी मिल सके और आप एक बेहतर चयन कर सकें।

डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लें

अगर आप पहली बार प्रोटीन पाउडर खरीद रहे हैं या किसी खास स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित हैं तो डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होता है। वे आपकी जरूरतों और स्वास्थ्य स्थितियों के अनुसार सही प्रकार और मात्रा में प्रोटीन पाउडर चुनने में मदद कर सकते हैं। इस तरह आप न केवल सही प्रोटीन पाउडर चुन पाएंगे बल्कि अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकेंगे।

अनिल कुमार जैन को सौंपा गया अपर कलेक्टर नर्मदापुरम का प्रभार

नर्मदापुरम (निप्र) । राजीव रंजन पाण्डेय, अपर कलेक्टर नर्मदापुरम के 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा प्रशासनिक कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए उनके दायित्वों के निर्वहन हेतु अनिल कुमार जैन, संयुक्त कलेक्टर नर्मदापुरम को आगामी आदेश पर्यन्त अपर कलेक्टर, नर्मदापुरम का प्रभार सौंपा गया है।

गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन को बढ़ावा देने हेतु दिशा निर्देश जारी

नर्मदापुरम (निप्र) । मध्य प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले के समस्त एसडीएम को निर्देशित किया है कि जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर उपलों एवं गौकाष्ठ के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलने, पानी की बचत करने, पशु-पक्षियों पर रंग न डालने तथा हुड़दंग से दूर रहकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने के लिए आमजन को प्रेरित किया जाए। निर्देशानुसार जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन कराया जाएगा। यह पंजीयन जनपद पंचायतों, तहसीलों एवं नगरीय निकायों के माध्यम से किया जाएगा। पंजीयन के दौरान आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी एवं संपर्क विवरण प्राप्त किए जाएंगे। होलिका दहन के दिन मैदानी अमले द्वारा आयोजनों का भ्रमण कर गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन को बढ़ावा दिया जाएगा। संबंधित मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आयोजन के प्रमाणीकरण सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं का सूचीकरण किया जाएगा तथा जिला स्तर पर सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ सुरक्षित एवं सद्भावपूर्ण होली मनाने की अपील की है।

राज्य पात्रता परीक्षा 2025 के दौरान कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने किया परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र) । रविवार को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा 2025 के दौरान कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा संचालन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की एवं केंद्र प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए।कमिश्नर श्री तिवारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा का सामना न करना पड़े, यह संबंधित केंद्र प्रभारी सुनिश्चित करें। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर पहुँचकर फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा किए गए निरीक्षण की जानकारी भी ली तथा सुरक्षा एवं गोपनीयता संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय एस.एन.जी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इतवारा बाजार एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जुमेराती का भ्रमण किया। इस अवसर पर उपायुक्त विकास डी.एन. पटेल भी उपस्थित रहे। परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई।

मार्च माह में सभी अवकाश दिनों में बिजली बिल भुगतान केन्द्र खुलेंगे

हरदा (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत 7 मार्च, 14 मार्च, 21 मार्च, 28 मार्च शनिवार एवं 01 मार्च, 08 मार्च, 15 मार्च, 22 मार्च, तथा 29 मार्च रविवार, 03 मार्च होली, 19 मार्च गुड़ी पड़वां, 20 मार्च जमात- उल-विदा/ ईद उल-फितर के ठीक पूर्व का दिवस/ रानी अवंती बाई का बलिदान दिवस, 27 मार्च रामनवमीं तथा 31 मार्च महावीर जयंती को बिल भुगतान केन्द्र सामान्य कार्य दिवसों की तरह कार्य करते रहेंगे। कंपनी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों में बिजली वितरण केन्द्र/बिल भुगतान केन्द्र अवकाश के दिनों में खुले रहेंगे। इसके लिए सभी मैदानी महाप्रबंधकों को निर्देशित किया गया है।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं को ऑनलाइन भुगतान करने पर उनके कुल बकाया बिल पर 0.50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है साथ ही अधिकतम छूट के लिए कोई सीमा बंधन नहीं है। इसी प्रकार उच्चदाब उपभोक्ताओं को प्रति बिल कैशलेस भुगतान पर 100 रूपये से 1000 रुपये तक की छूट दी जा रही है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से बिजली का बिल ऑनलाइन भुगतान करने की अपील की है। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, कंपनी पोर्टल portal.mpcz.in (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, वॉट्सऐप पे, पेटीएम एप एवं उपाय मोबाइल एप के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

सर्वाइकल केंसर से बचाव के लिए बेटियों को लगा एचपीवी वैक्सीन

सिंगल डोज से मिलेगी जानलेवा बीमारी से सुरक्षा

हरदा (निप्र) । कलेक्टर सिद्वार्थ जैन के मार्गदर्शन में हरदा जिले में सर्वाइकल कैंसर के विरूद्ध राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी.सिंह ने बताया कि जिला चिकित्सालय के डीईआईसी में प्रथम दिवस 21 बालिकाओं को टीका लगाकर अभियान को जिले में प्रारंभ किया गया । राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान से किया । इस अवसर पर जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान के अजमेर में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया । मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभियान का शुभारंभ काटजू हॉस्पिटल भोपाल से किया ।

डीआईओ डॉ.जी.एस.कुशवाहा ने बताया कि हरदा जिले की सभी बालिकाएं, जिनकी आयु 14 वर्ष हैं, उन सभी को यह वैक्सीन लगाया जावेगा। प्रथम चरण में हरदा जिले को एचपीवी वैक्सीन के 4232 डोस प्राप्त हुए हैं । टीकाकरण सत्र के दौरान बालिकाओं का पंजीयन, परामर्श पश्चात टीकाकरण किया गया ।

विदेश/खेल समाचार

खामेनेई की मौत से पाकिस्तान में भड़की आग, दूतावास के बाहर उपद्रव मचा रहे थे पाकिस्तानी; अमेरिकी सैनिकों ने 8 को मार गिराया

कराची (ए.)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद पाकिस्तान सुलग उठा है। रविवार को पाकिस्तान का औद्योगिक शहर कराची पूरी तरह से रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। यहां अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर कूच कर रहे आक्रोशित प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच भयंकर हिंसक झड़प हो गई। इस रोंगटे खड़े कर देने वाले टकराव में कम से कम 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 30 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल होकर अस्पतालों में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। यह भयानक हिंसा उस वक्त भड़की जब बेकाबू भीड़ ने दूतावास की कड़ी सुरक्षा घेराबंदी को तोड़ने की कोशिश की।

'माई कोलाची' मार्ग पर मचा बवाल, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिया समूहों द्वारा बुलाए गए इस विशाल विरोध प्रदर्शन की शुरुआत सुल्तानबाद इलाके से हुई थी।

प्रदर्शनकारियों का हुजूम 'माई कोलाची' मार्ग से होते हुए सीधे अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर बढ़ रहा था। पूरी सड़क वाशिंगटन और तेल अवीव के खिलाफ लगे गगनभेदी नारों से गूंज रही थी। हालात बेकाबू होते देख जैसे ही प्रदर्शनकारी डिप्लोमैटिक जोन के करीब पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए भारी बैरिकेडिंग कर दी। जब बेकाबू भीड़ ने निषिद्ध क्षेत्र में घुसने का प्रयास किया और पथराव शुरू किया, तो पुलिस को उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े, जिससे इलाके में भारी भगदड़ मच गई।

हाई अलर्ट पर थे अमेरिकी मरीन कमांडो, फायरिंग में गई 8 की जान

तनाव इस कदर चरम पर पहुंच गया था कि वाणिज्य दूतावास के भीतर तैनात अमेरिकी मरीन सुरक्षा कर्मियों को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया। पाकिस्तान के 'समा टीवी' की रिपोर्ट के अनुसार, दूतावास की सुरक्षा में तैनात सैन्य कर्मियों और उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच सीधा और हिंसक टकराव हुआ। इसी दौरान हुई भीषण फायरिंग में 8 लोगों की जान चली गई। हालांकि, अभी तक पाकिस्तानी अधिकारियों या अमेरिकी दूतावास ने इन मौतों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन अस्पतालों में पहुंच रहे घायलों की तादाद को देखते हुए मृतकों का आंकड़ा और भी बढ़ने की खौफनाक आशंका जताई जा रही है।

साहिबजादा फरहान टी-20 विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक रन वाले बल्लेबाज बने, कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

कैंडी (ए.)। टी-20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच के दौरान बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। दरअसल, वह एक विश्व कप संस्करण में सर्वाधिक रन वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में अपना 37वां रन बनाते ही ये मुकाम हासिल किया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज विराट कोहली का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा। आइए फरहान के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। फरहान ने टी-20 विश्व कप 2026 में अब तक 6 पारियों में 320 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक भी शामिल है। कोहली ने 2014 के संस्करण में 6 मैच खेलते हुए 106.33 की औसत से 319 रन अपने नाम किए थे। विशेष रूप से, भारत उस संस्करण के फाइनल में श्रीलंका से हारकर उपविजेता रहा था। इसके अलावा, कोहली कई टी-20 विश्व कप संस्करणों में 250+ रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी भी हैं। श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, पाकिस्तान के बाबर आजम, और श्रीलंका के महेला जयवर्धने भी एक संस्करण में 300 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं। दिलशान (2009) ने 7 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद और 144.74 की स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे।

स्पेस से दिखने वाली पृथ्वी की अनोखी 'एयरग्लो', जानें क्या कहते हैं वैज्ञानिक

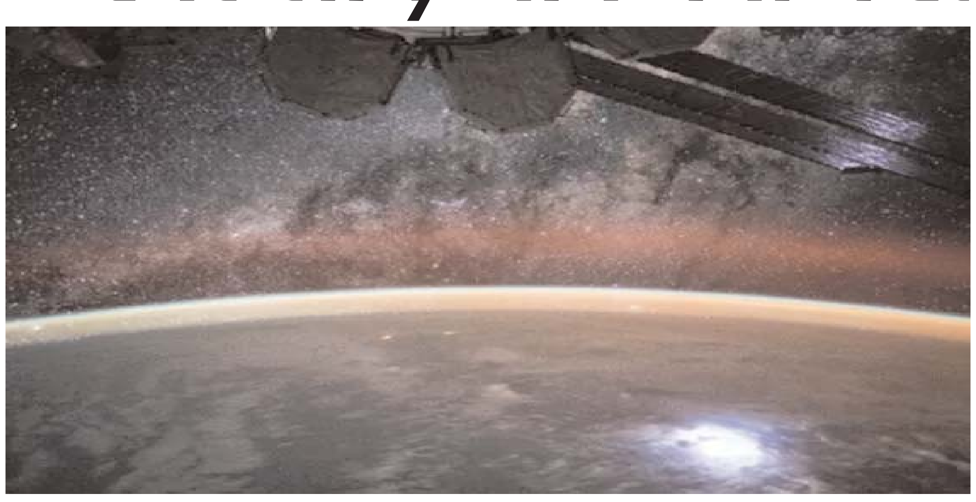

नई दिल्ली (ए.)। अंतरिक्ष से पृथ्वी की कल्पना करते ही अक्सर हमारे मानस पटल पर 'नीले ग्रह' की सुंदर तस्वीरें उभरती हैं। हालांकि, पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से देखने पर एक अद्भुत नजारा दिखाई देता है। पृथ्वी से महज 300 मील की ऊंचाई पर ऊपरी वायुमंडल में लाल, हरी, बैंगनी और पीली रोशनी की चमकीली परतें नजर आती हैं। वैज्ञानिक शब्दावली में इसे 'एयरग्लो' कहा जाता है। यह पृथ्वी की वह प्राकृतिक आभा है, जो रात के समय आकाश को पूरी तरह अंधेरा होने से बचाती है और हमारे वायुमंडल की जटिल प्रक्रियाओं को दर्शाती है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, एयरग्लो तब होता है जब ऊपरी वायुमंडल में मौजूद एटम और मॉलिक्यूल सूरज की रोशनी से अधिक सक्रिय हो जाते हैं। वे अपनी अतिरिक्त ऊर्जा छोड़ने के लिए फोटॉन के रूप में रोशनी निकालते हैं। यह प्रक्रिया ऑरोरा से मिलती-जुलती है, लेकिन ऑरोरा सोलर विंड के हाई-एनर्जी पार्टिकल्स से बनता है, जबकि एयरग्लो रोजाना की सूरज की सामान्य रोशनी से ऊर्जा लेता है। कभी-कभी आयनाइज्ड एटम फ्री इलेक्ट्रॉन से टकराकर भी रोशनी पैदा करते हैं।रात का आसमान कभी पूरी तरह काला नहीं होता। लाइट पॉल्यूशन, चांदनी और तारों को हटाकर देखें तो भी हल्की रंगीन चमक दिखती है और यही एयरग्लो है। यह सभी तारों की कुल रोशनी का लगभग दसवां हिस्सा होता है। स्पेस से देखने पर यह पृथ्वी को घेरे एक चमकदार बुलबुले जैसा लगता है। यह 50 से 400 मील की ऊंचाई पर फैला होता है, जहां आयनोस्फीयर स्थित है। इसी इलाके से हमारे जीपीएस सिग्नल गुजरते हैं और एस्ट्रोनॉट्स यहां से यात्रा करते हैं।एयरग्लो के रंग अलग-अलग गैसों से आते हैं। हरी रोशनी सबसे चमकीली होती है, जो ऑक्सीजन एटम्स से बनती है। लाल और अन्य रंग नाइट्रोजन, ऑक्सीजन के कई रिएक्शन से निकलते हैं। कुछ रंग यूवी और इंफ्रारेड में होते हैं, जो आंखों को दिखाई नहीं देते। ऊपरी वायुमंडल पतला होने से एटम बिना टकराए ज्यादा समय तक उत्तेजित रहते हैं और रोशनी निकाल पाते हैं। निचले हिस्से में घने वायुमंडल में टक्करें ज्यादा होती हैं, इसलिए रोशनी कम बनती है। यह चमक लगातार बदलती रहती है क्योंकि यह सूरज की ऊर्जा और पृथ्वी के मौसम दोनों से प्रभावित होती है।एयरग्लो आयनोस्फीयर में बदलावों का मार्कर काम करता है , जैसे हवा में धुआं दिखाता है कि हवा कैसे बह रही है, वैसे ही एयरग्लो पार्टिकल्स की गति और मौजूदगी बताता है। इससे तापमान, घनत्व और संरचना की जानकारी मिलती है, जो स्पेस वेदर और पृथ्वी के मौसम के बीच संबंध समझने में मदद करती है। वैज्ञानिक इस खूबसूरत घटना का लगातार अध्ययन कर रहे हैं क्योंकि यह स्पेस और पृथ्वी के मौसम के जुड़ाव को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

अमेरिका ने इस मुस्लिम देश के कहने पर किया अटैक, ईरान पर हमले को लेकर हुआ बड़ा खुलासा

तेहरान (ए.)। ईरान में करीब 47 वर्षों से जारी अयातुल्ला शासन को लेकर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक बड़ा दावा सामने आया है। 'वॉशिंगटन पोस्ट' की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा ईरान पर किया गया सैन्य हमला केवल सुरक्षा आकलन का परिणाम नहीं था, बल्कि इसमें क्षेत्रीय सहयोगियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही।रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बताया था कि उस समय ईरान से अमेरिका को प्रत्यक्ष खतरे के स्पष्ट संकेत नहीं थे। इसके बावजूद कार्रवाई की गई। दावा है कि इस निर्णय में इस्राइल और सऊदी अरब के दबाव को निर्णायक कारक माना गया।रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पिछले एक महीने में ट्रंप से कई बार निजी बातचीत की। ये संपर्क सार्वजनिक मंचों से अलग और गोपनीय बताए गए हैं। हालांकि सार्वजनिक रूप से सऊदी अरब कूटनीतिक समाधान की वकालत करता रहा, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि बंद दरवाजों के पीछे वह ईरान के खिलाफ सख्त कदम उठाने के पक्ष में था। क्राउन प्रिंस का मानना था कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में ईरान और अधिक मजबूत हो सकता है।अमेरिकी सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मध्य पूर्व में अमेरिका के दो प्रमुख सहयोगी—इस्राइल और सऊदी अरब—ने वॉशिंगटन में कई हफ्तों तक लॉबिंग की। उनका तर्क था कि तेहरान की क्षेत्रीय ताकत को सीमित करने का यही उपयुक्त समय है।

सिंधु दुबई एयरपोर्ट पर फंसी, सोशल मीडिया में साझा किया वीडियो

दुबई (ए)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच हुए सघर्ष में के कारण कई भारतीय भी खाड़ी देशों में फंस गये हैं। भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु के भी दुबई एयरपोर्ट पर फंसे होने की बात सामने आई है।

सिंधु ऑल इंग्लैंड बैडमिंटनर में भाग लेने के लिए रवाना हुई थीं पर खाड़ी में युद्ध शुरु होने के कारण उड़ानें बीच में ही बाधित हो गयी थीं। सिंधु ने सोशल मीडिया पर कहा कि एयरपोर्ट परिसर के नजदीक एक धमाका हुआ, जिससे वहां मौजूद सभी लोग डर गये थे। जिस स्थान पर वह और उनकी टीम ठहरी हुई थी, उसके काफी करीब धमाका। धुएं और मलबे के कारण उनके कोच को तुरंत उस क्षेत्र से बाहर निकलना पड़ा।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक, भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

होबार्ट (ए.)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है।हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0)

ई-मेल :- modgmhos@mp.gov.in

पत्र क्रमांक/............./खनिज/2025-26 — **नर्मदापुरम, दिनांक /....../....../2026**

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स सावरिया सप्लायर प्रो0 श्री रामकृष्ण शर्मा निवासी- जुमेराती तह0 व जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0) द्वारा मुरूम खनिज उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ई-खनिज पोर्टल से ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 10/02/2026 को किया गया है। सूचना प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/ निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
नर्मदापुरम	डोलरिया	टेमलाकलॉ	31/1	2.000 हे.	शासकीय	मुरूम	
			कुल रकबा	2.000 हे.			

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05.30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व से प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

5- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी/26582/25

जिला खनि अधिकारी
जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
लोक संस्कृति का सम्मान
विकास का अभिनव अभियान
कृषि कैबिनेट
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
2 मार्च, 2026 । पूर्वाह्न 11:30 बजे । नागलवाड़ी, बड़वानी
वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। हमारा ध्येय कृषि को औद्योगिक गतिविधियों से जोड़कर किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना और कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे ले जाकर अन्नदाता की समृद्धि सुनिश्चित करना है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
अन्नदाता के साथ, प्रदेश का विकास
उड़द प्रोत्साहन योजना 2026
उड़द किसानों को मिलेगा एमएसपी के अतिरिक्त ₹600 प्रति क्विंटल बोनस का सीधा लाभ।
लगभग 3 लाख हेक्टेयर संभावित बोनी क्षेत्र से बढ़ेगा उत्पादन एवं किसानों की आय।
भावांतर योजना- सरसों 2026
सरसों उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए 15.71 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान।
फसल की सही कीमत सुनिश्चित करने हेतु भावांतर योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन
आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के साथ धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज एवं नगदी फसलों का विस्तार।
₹3285.49 करोड़ की स्वीकृति से खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय वृद्धि।
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना
पर ड्रॉप मोर क्रॉप परियोजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक निरंतरता स्वीकृत करते हुए ₹ 2393.97 करोड़ के प्रावधान से सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, जल संरक्षण एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि।
प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु 2031 तक निरंतरता के लिए ₹2008.68 करोड़ की स्वीकृति से कृषि अधोसंरचना और नवाचार को बल।
राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु आगामी 5 वर्षों के लिए ₹ 1101 करोड़ के निवेश से टिकाऊ खेती और लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।
राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन
मिशन को गति देने 5 वर्ष की निरंतरता के लिए ₹1793.87 करोड़ की स्वीकृति से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि को मिलेगा बल।
चना, मसूर एवं तुअर का उपार्जन
दलहन किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ सुनिश्चित करने की पहल, प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
होली पर्व की हार्दिक मंगलकामनाएं
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026
D-11215/25